दैनिक शुभ भास्कर

हर कदम आपके साथ....

उप्र व मप्र से प्रकाशित

RNI : UPHIN/2015/64737

वर्ष -16 अंक- 279 | झांसी,शनिवार/04/ नम्बबर/2023 | पृष्ठ -6 मूल्य -02 रूपये

पंजाब, हरियाणा की वजह से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण!

सीएम योगी बोले- प्लेन से उतरते ही जलने लगीं आंखें

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी इसके प्रभाव से अछूते नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक घटना साझा करते हुए कहा कि गिरते ।फ्म् का पूरा असर उन्हें तब महसूस हुआ जब गाजियाबाद में विमान से उतरने के बाद उनकी आंखों में जलन होने लगी। शुक्रवार सुबह 7 बजे आईजीआई एयरपोर्ट टी3 टर्मिनल के पास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 473, श्गंभीरश् श्रेणी पर था। स्मॉग ने सिर्फ दिल्ली को ही नहीं बल्कि गाजियाबाद को भी अपनी चपेट में ले लिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नासा उपग्रह चित्रों के माध्यम से देखने पर पूरे पंजाब और हरियाणा के उत्तरी हिस्सों को श्लालश् रंग में दर्शाया गया था।

तस्वीरों में श्लालश् रंग हवा में बहुत अधिक मात्रा में प्रदूषण का संकेत देता है।सीएम आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा, श्शपरसों सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण पर पंजाब, हरियाणा, यूपी और दिल्ली समेत 5-6 राज्यों को नोटिस जारी किया। दिल्ली जाते समय मैं गाजियाबाद पहुंचा, जैसे ही मैं विमान से बाहर निकला मेरी आँखों में जलन होने लगी और मुझे एहसास हुआ कि यह धुंध के कारण था। जब मैंने परालीं जलाने और औद्योगिंक प्रदूषण से प्रभावित क्षेत्रों को देखने के लिए नासा के उपग्रह चित्रों की जाँच की, यह पाया गया कि पूरे पंजाब और हरियाणा के उत्तरी हिस्सों को श्लालश् (परालीं जलाने का संकत) में दशाया गया था। जब इन राज्यों से हवाई यात्रा हुई तो दिल्ली में अंधेरा छा गया।÷गंभीर प्रदूषण स्तर ने राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों को प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के लिए मजबूर कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की, ष्बढ़ते प्रदूषण स्तर के मद्देनजर, दिल्ली के सभी सरकारी और निजी प्राथमिक विद्यालय अगले 2 दिनों तक बंद रहेंगे।ष् प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए मध्य दिल्ली क्षेत्र में ट्रक पर लगे पानी के छिड़काव यंत्रों को काम पर लगाया गया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपात बैठक बुलाई, जबकि राष्ट्रीय राजधानी में ळत।च्-प्प् प्रतिबंध लागू हैं, जिसमें निर्माण, खनन आदि पर प्रतिबंध शामिल है।

प्रियांक खरगे बनेंगे कर्नाटक के सीएम? कहा- पार्टी आलाकमान कहे तो तैयार

कर्नाटक। के आईटी मंत्री और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने कहा है कि अगर पार्टी आलाकमान उनसे कहेगा तो वह राज्य में मुख्यमंत्री पद लेने के लिए सहमत होंगे। मुख्यमंत्री बनने को लेकर पूछे गए एक सवाल पर खड़गे ने शुक्रवार को पत्रकारों को जवाब देते हुए कहा, श्श्आलाकमान कहे, अगर वे मुझसे मुख्यमंत्री बनने के लिए कहेंगे तो मैं हां कहूंगा। खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि हताश भाजपा नेताओं के एक वर्ग ने राज्य में कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 1,000 करोड़ रुपये की मांग की होगी। खड़गे की टिप्पणी मांड्या के कांग्रेस विधायक रविकुमार गनीगा के उस आरोप के बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा की एक टीम ने कांग्रेस के चार विधायकों से संपर्क किया था और उन्हें भाजपा में शामिल होने पर प्रत्येक को 50 करोड़ रुपये नकद और मंत्री पद की पेशकश की थी। इस बीच, कर्नाटक के वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कहा कि वह पूरे पांच साल तक पद संभालेंगे। यह स्पष्टीकरण सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक वर्ग के भीतर इस सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के मद्देनजर आया है।यह स्पष्ट करने के लिए पूछे जाने पर कि क्या वह पूरे पांच साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे, उन्होंने कहा कि पांच साल तक हमारी सरकार रहेगी...मैं मुख्यमंत्री हूं, मैं बना रहूंगा। कांग्रेस द्वारा भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के बाद इस साल 20 मई को सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

जहरीली हवा में सांस ले रही दिल्ली, कनॉट प्लेस में 23 करोड़ रुपये का स्मॉग टावर लॉक

दिल्ली धुंध की मोटी चादर में डूबी हुई है, स्मॉग टॉवर, जिसका उद्घाटन 2021 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बहुत धूमधाम के बीच किया था, श्लॉकश् कर दिया गया है। कनॉट प्लेस में स्थित 23 करोड़ रुपये का स्मॉग टॉवर इस तथ्य के बावजूद चालू नहीं है कि राष्ट्रीय राजधानी और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में खतरनाक वायु गुणवत्ता स्तर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक ये अप्रभावी पाए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्मॉग टॉवर का प्रबंधन करने वाले इंजीनियरों, ऑपरेटरों और सहायकों सहित 10 लोगों की एक टीम थी। हालांकि सात महीने पहले टीम को हटा दिया गया था। 24 मीटर ऊंचे स्मॉग टॉवर में प्रति सेकंड एक किलोमीटर के दायरे में 1,000 क्यूबिक मीटर हवा को साफ़करने की क्षमता थी। 40 पंखे और 5,000 एयर फ़िल्टर से सुसज्जित, टॉवर प्रदूषित हवा को सोखता है और फ़िल्टर की गई हवा को छोड़ता है। कनॉट प्लेस में स्मॉग टावर प्रायोगिक तौर पर लगाया गया था. दिल्ली के प्रदूषण हॉटस्पॉट में से एक आनंद विहार में एक और स्मॉग टावर खोला गया। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने दो साल लंबी परियोजना के बाद स्मॉग टावर को बंद करने का सुझाव दिया था, जिसमें पता चला था कि 100 मीटर की दूरी पर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कमी केवल 12 प्रतिशत से 13 प्रतिशत के आसपास थी।समिति ने सुझाव दिया कि साइट को उन्नत किया जाए और पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन नवाचार केंद्र के रूप में उपयोग किया जाए। आईआईटी-बॉम्बे द्वारा किए गए अध्ययन में यह भी पाया गया कि पीएम 2.5 और पीएम 10 की सांद्रता को कम करने की स्मॉग टॉवर की क्षमता 300 मीटर और 500 मीटर की दूरी पर भी कम थी। डीपीसीसी ने आगे कहा कि व्यापक वायु गुणवत्ता को देखते हुए टावर का प्रभाव बहुत सीमित था। यह नोट किया गया कि टॉवर कम प्रदूषण लोडिंग की तुलना में चरम प्रदूषण लोडिंग के दौरान अधिक कुशलता से काम करेगा। हालाँकि, डेटा से पता चला कि कण प्रदूषण बहुत अधिक रहा और बहुत अधिक प्रभाव नहीं देखा गया।

तमिलनाडु में मंत्री ईवी वेलु के आवास र छापेमारी, आयकर विभाग की कार्रवाई

आयकर विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को तमिलनाडु में सार्वजनिक निर्माण विभाग के मंत्री ईवी वेलु, द्रमुक सरकार में तीसरे कैबिनेट सदस्य और जांच के दायरे में आने वाले चौथे पार्टी नेता से जुड़े कई स्थानों पर तलाशी ली। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 40 से अधिक स्थानों पर छापे मारे गए, जिनमें तिरुवन्नामलाई में उनका गृहनगर और राज्य भर में चेन्नई, कोयंबटूर और करूर में उनके स्वामित्व वाले आवास, कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। वेलु को मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन का करीबी माना जाता है और वह 2006-2011 तक पिछली डीएमके कैबिनेट में खाद्य मंत्री थे।डीएमके नेता और तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया कि आईटी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक शाखाएं बन गई हैं। वेलु पिछले कुछ महीनों में संघीय एजेंसियों द्वारा छापे मारे जाने वाले चौथे वरिष्ठ डीएमके नेता हैं। उनके कैबिनेट सहयोगी वी सेंथिल बालाजी वर्तमान में ईडी द्वारा दायर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक मामले में पुझल सेंट्रल जेल में बंद हैं, जिसने उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी पर भी छापा मारा और पूछताछ की। आयकर विभाग ने पिछले महीने अरावक्कोनम के सांसद एस जगत्रक्षगन के खिलाफ़छापेमारी की थी।

सिर पर कफ़न बांध कर...हमास के समर्थन में मदनी का बयान, पीएम मोदी को लेकर ये क्या कह दिया

जमीयत उलेमा हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी हमास के समर्थन में खुलकर बयान देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने हमास को दहशतगर्दों से मुकाबला करने वाला करार दिया है। जब उनसे पूछा गया कि हमास को लेकर कहा जा रहा है कि वो एक दहशतगर्द तंजीम है। इस सवाल के जवाब में मदनी ने कहा कि दहशतगर्द आप कह रहे हैं। अपने हक के लिए जान देने के लिए आज दुनिया के अंदर कोई ताकत ऐसी नहीं है। जैसे उन्होंने अपने सिर से कफ़न बांध कर एक बड़ी ताकत के साथ लड़ रहे हैं। इजरायल की सूरत ये है कि दुनिया का जो असला अमरीका के पास है वो इजरायल के पास भी है। दुनिया ने देखा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति आकर हाथ मिला रहे हैं। अमेरिका खुलकर कह रहा है कि हम तुम्हारे साथ हैं। मदनी ने कहा कि इसके बावजूद जो निहत्थी ताकत अपने सिर पर कफ़न बांध कर आए हैं। उसे दहशतगर्द कैसे कह सकते हैं। जमीन उनकी है। वो बस रहे हैं। इजरायल ने उनको अपना गुलाम बना रखा है। सुबह को जाते हैं, शाम को जो कमा कर आते हैं वो अपने बच्चों को खिलाते हैं। इस माहौल के अंदर उन्होंने जंग की है। अपने सिर पर कफ़न बांधा है, ये दहशतगर्द नहीं है। ये दहशतगर्दों से अपना हक छीनने वाले हैं। इसके अलावा जमीयत चीफ़ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जो ट्वीट हमास के हमले के बाद किया, उसे हम सही नहीं मानते। हालांकि बाद में उन्हें एहसास हुआ कि ठीक नहीं हुआ और उन्होंने पिलिस्तीन को लेकर भी बाते कहीं। बता दें कि हमास के आतंकवादियों के साथ लड़ रहे इजराइली सुरक्षा बलों ने गाजा सिटी की घेराबंदी करने के बीच युद्ध में मारे गए फ़लस्तीनी नागरिकों की संख्या बढ़कर 9,000 हो गई। अमेरिका और अरब के नेताओं ने इजराइल पर गाजा की घेराबंदी में ढील देने और नागरिकों की मदद के लिए कम से कम कुछ समय के लिए युद्ध में विराम देने का दबाव बढ़ाया है। हमास के भीषण हमले के करीब चार

ये सरगना है, एल्विश पर बरसीं मेनका गांधी, की गिरफ्तारी की मांग

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मेनका गांधी ने सोशल मीडिया पर सांप पकड़ने और उसके साथ खेलने का एक वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया प्रभावशाली और बिग बॉस ओटीटी विजेता एल्विश यादव की गिरफ्तारी की मांग की। यह अपडेट पीपल फॉर एनिमल (पीएफए) संगठन के एक पशु कल्याण अधिकारी गौरव गुप्ता द्वारा शिकायत दर्ज करने के बाद आया, जिसमें एल्विश और अन्य सामग्री निर्माताओं पर नोएडा के फार्महाउसों में सांपों और जहर के साथ वीडियो शूट करने का आरोप लगाया गया था।मेनका गांधी ने कहा कि हमें यह पता चला क्योंकि प्रभावशाली एल्विश यादव इसे बढ़ावा दे रहे हैं। उसे गिरफ्तार करने की जरूरत है, वह सरगना है। सांपों को जंगलों से पकड़कर मार दिया जाता है। सभी साँप लुसप्राय प्रजातियों की सूची में हैं। कानून के तहत सात साल की जेल का प्रावधान है जो इन सभी को मिलनी चाहिए। सांपों का इस्तेमाल और जानवरों के साथ बलात्कार। हमने जानवरों से बलात्कार के आरोप में 18 लोगों को गिरफ्तार करवाया। सांपों के इस्तेमाल के मामले में यह दूसरी गिरफ्तारी है।

तेलंगाना में चुनाव नहीं लड़ेंगी वाईएस शर्मिला, कांग्रेस के समर्थन का ऐलान

वाईएसआर तेलंगाना पार्टी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने आज कहा कि वह तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी और इसके बजाय उन्होंने कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की छोटी बहन सुश्री शर्मिला ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव में वोटों के विभाजन से बचने के लिए कांग्रेस को अपना समर्थन दे रही है, जिससे मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि वाईएसआर तेलंगाना पार्टी ने एक बेहद अहम फैसला लिया है। बीआरएस की आसन्न हार की पटकथा लिखने में, यह महसूस किया गया है कि कांग्रेस पार्टी के पास एक मौका है, और इस स्तर पर सत्ता विरोधी वोटों का कोई भी विभाजन केसीआर को पद से हटाने में बाधा बनेगा।शर्मिला ने कहा कि उनकी पार्टी ने राव के नेतृत्व वाले बीआरएस के भ्रष्ट और जनविरोधी शासनष् को समाप्त करने के लिए ष्बलिदानष् देने का फैसला किया है। उन्होंने दावा किया कि कई सर्वेक्षणों और जमीनी रिपोर्टों के अनुसार, यह महसूस किया गया है कि विधानसभा चुनावों में हमारी भागीदारी का कई निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस के वोट शेयर पर सीधा असर पड़ेगा। इसलिए, वाईएसआर तेलंगाना पार्टी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का त्याग करने का फैसला किया है। मैं राज्य के व्यापक हित में और लोगों के बड़े हित को सुनिश्चित करने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार हूं।तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। वाईएस शर्मिला ने सितंबर में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने दावा किया कि बैठक में ष्रचनात्मक चर्चाष् हुई और के चंद्रशेखर राव को हार की चेतावनी दी गई। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी, सुश्री शर्मिला ने वाईएसआर परिवार, या श्राजन्ना राज्यमश् को राज्य में लाने के लिए 2021 में वाईएसआरटीपी की शुरुआत की - जिसमें वह और उनकी पार्टी दोनों चुनावी रूप से अप्रशिक्षित हैं। अपने प्रयासों के तहत, वह 3,800 किलोमीटर की राज्यव्यापी पदयात्रा पर निकलीं।

हिंदुत्व के अखाड़े में भाजपा को कांग्रेस की चुनौती

राम मंदिर पर कमल नाथ का बड़ा दांव

मध्य प्रदेश में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। जबकि नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। भाजपा और कांग्रेस के बीच मध्य प्रदेश में चुनावी वादों की बौछार है। हालांकि, राम मंदिर की भी चर्चा जबरदस्त तरीके से होने लगी है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा राम मंदिर को मुद्दा बनाने की कोशिश में है। चुनावी तारीखों के ऐलान के बाद ही इस बात की भी घोषणा की गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। अब इसके बाद कांग्रेस ने अपने नरम हिंदुत्व को मध्य प्रदेश में दिखाना शुरू कर दिया है।कमलनाथ का दावमध्य प्रदेश में कमलनाथ लगातार नरम हिंदुत्व को लेकर चलते रहते हैं। इसी कड़ी में राम मंदिर को लेकर हो रही राजनीति के बीच एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कमलनाथ ने दावा किया कि अयोध्या में राम मंदिर का ताला राजीव गांधी ने ही खोला था। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। राम मंदिर किसी एक पार्टी या व्यक्ति का नहीं है। यह हमारे पूरे देश और हर नागरिक का है। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि भाजपा राम मंदिर को अपनी संपत्ति समझ कर इसे हड़पना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे अपने घर से तो नहीं बनाया है। सरकार के पैसों से बनाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस श्रीलंका में सीता माता मंदिर बनवाने का अपना वादा निभाएगी। इससे पहले भी कमलनाथ ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा था कि वे राम मंदिर के बारे में ऐसे बयान दे रहे हैं जैसे की वह उन्हीं का राम मंदिर हो। यह हमारे देश का मंदिर है। यह हमारे सनातन धर्म का बहुत बड़ा प्रतीक है।

भाजपा के केंद्रीय नेता दिनभर राज्यों में प्रचार करते हैं और शाम को दिल्ली में लोकसभा चुनावों में जीत की रणनीति पर काम करते हैं

नयी दिल्ली। देश में इस समय पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार जोरों पर चल रहा है। विपक्षी कांग्रेस का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा राज्यों में जीत हासिल कर बढ़त बनाई जाये। अन्य दल भी इन चुनावों में पूरी जोर आजमाइश कर रहे हैं। लेकिन सत्तारुढ़ भाजपा सिर्फ विधानसभा चुनावों पर ही नहीं बल्कि लोकसभा चुनावों पर भी पूरा ध्यान दे रही है। भाजपा के केंद्रीय नेता दिन में राज्यों में चुनाव प्रचार करते हैं तो शाम को दिल्ली में बैठकें कर लोकसभा चुनावों में जीत की रणनीति बनाते हैं। भाजपा की इन्हीं तैयारियों को देखते हुए ही एक दिन पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि कांग्रेस का पूरा ध्यान विधानसभा चुनावों पर लगा हुआ है जिसके चलते इंडिया गठबंधन का कामकाज ठप पड़ा हुआ है।जहां तक भाजपा की ओर से लोकसभा चुनावों की तैयारियों के संबंध में की गयी बैठक की बात है तो हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 2024 के चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर बृहस्पतिवार को कई राज्यों के पार्टी नेताओं के साथ विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बताया जा रहा है कि बैठक में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों के वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी, राज्यसभा सांसद सुशील मोदी और विभिन्न राज्यों के संगठनात्मक नेता उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने बैठक में हिस्सा लिया।

बस्तर के नक्सल प्रभावित चांदमेटा गांव में पहली बार मतदान केंद्र बनाया गया

छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को होने वाला है। पहले चरण में 20 सीटों पर मतदान होगा, जिनमें से 12 सीटें बस्तर संभाग के अंतर्गत आती हैं। बस्तर के अंदरूनी इलाकों में मतदान कराना चुनाव आयोग (ईसी) और सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। माओवादी संगठन हमेशा से चुनाव का बहिष्कार करता रहा है। तमाम चुनौतियों के बीच इस वर्ष अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। प्रमंडल के 40 अंदरूनी गांवों में कुल 126 मतदान केंद्र बनाये गये हैं, जहां पहली बार मतदान होना है. पहले ये इलाके नक्सलियों के कब्जे में थे. सुरक्षा कारणों एवं जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इन गांवों में मतदान केन्द्र स्थापित नहीं किये जा सके।वैकल्पिक व्यवस्था के तहत गांव से कई किलोमीटर दूर सुरक्षित इलाकों में मतदान केंद्र बनाये गये। दूसरी ओर, नक्सलियों की ओर से ग्रामीणों को आदेश दिया गया कि जो भी वोट देगा उसकी उंगलियां काट दी जाएंगी। नतीजा यह हुआ कि ग्रामीण मतदान नहीं कर सके। लेकिन अब हालात बदल गए हैं. पिछले 4 वर्षों में बस्तर के अंदरूनी इलाकों में 60 से अधिक सुरक्षा बल कैंप स्थापित किए गए हैं। अंदरूनी इलाकों तक भी सड़कें बनाई गई हैं। नक्सलियों का क्षेत्र भी सीमित हो गया है।मुंडागांव के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) मदनलाल नाग ने कहा कि अभी मैं मतदाता पर्चियां बांट रहा हूं। रविवार से मैंने 638 मतदाताओं में से 512 मतदाताओं को घर-घर जाकर पर्चियां बांटी हैं। इस बार ग्रामीण अधिक जागरूक हो गए हैं।ष् पिछले 10-15 वर्षों में। वे यह भी पूछ रहे हैं कि क्या यह लोकसभा या विधानसभा चुनाव है।

आम सूचना

समस्त सम्माननीय ब्यूरो चीफ़ एवं **दैनिक शुभ भास्कर** दैनिक समाचार पत्र के पदाधिकारी गण एवं समस्त पाठकों को सूचित किया जाता है कि दैनिक शुभ भास्कर समाचार पत्र में **श्री मान ठाकुर दास प्रजापति** स्वयं को अब तक मुद्रक,प्रकाशक एवं सम्पादक बताते चले आ रहे हैं जिनको **दैनिक शुभ भास्कर** के प्रकाशक स्वामी द्वारा पूर्व में निष्कासित किया जा चुका है सिर्फ और सिर्फ अनुबंध के अनुसार इनके जय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस की प्रिंट लाइन और प्रतियों की छपाई का कार्य इनके द्वारा करवाया जा रहा था किंतु इन्होंने स्वयं को मुद्रक प्रकाशक और सम्पादक के रुप में दर्शाया है जो कि पी आर बी एक्ट के अनुसार अनुचित है और गैर कानूनी है समस्त ब्यूरो चीफ़व संवादाताओं को सूचित किया जाता है कि यदि **ठाकुर दास प्रजापति** जी द्वारा आपको कोई भी प्रलोभन या आश्वाशन दिया जाता है तो वह मिथक होगा आप किसी भी प्रकार की सिक्युअरटि या विज्ञापन इनको न दें, अन्यथा की स्थिति में आप अपनी हानि के स्वयं जिम्मेदार होंगे !

दैनिक शुभ भास्कर समाचार पत्र में इनका कोई भी महत्वपूर्ण पद सुनिश्चित नहीं है न ही इनका संस्थान से कोई सरोकार है न ही यह किसी पद पर पदस्थ हैं इनके द्वारा किए गए इस गैर कानूनी अपराध के लिए इन पर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा सकती है व इनके खिलाफ सख्त से सख्त उचित कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है जिसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे!!

प्रधान संपादक
एडिशन झांसी यू पी
मंगल सिंह सेंगर
संपर्क 9795775760

भवदीय
मुद्रक , प्रकाशक , स्वामी
सुनील कुमार मिश्रा (बद्री)
मो.9468716474

मुकेश गोयल की नामांकन रैली में उमड़ा जन सैलाब

भय, भ्रष्टाचार व अपराध मुक्त कोटपूतली बनाना ही हमारा लक्ष्य - मुकेश गोयल

कोटपूतली-बहरोड़/दैनिक शुभ/ राजकुमार शर्मा भास्कर

कोटपूतली सर्व समाज के लोकप्रिय नेता जन सेवक मुकेष गोयल ने गुरूवार को विधानसभा चुनाव 2023 हेतु स्वंत्रत उम्मीद्वार के रूप में अपना नामांकन पत्र सहायक निर्वाचन अधिकारी कोटपूतली को सौंपा। इससे पूर्व शहर के डाबला रोड़ स्थित सत्यम गार्डन में एक विषाल जन सभा आयोजित हुई, जिसमें कोटपूतली विधानसभा के हर गॉव, ढाणी व मौहल्ले से हजारों की संख्या में महिला व पुरूष शामिल हुए। सभा को सम्बोधित करते हुए सभी वक्ताओं ने एकजुटता के साथ कोटपूतली के स्वाभिमान की लड़ाई लड़ते हुए कोटपूतली को सर्वश्रेष्ठ बनाने का आह्वान किया। सभा को सम्बोधित करते हुए गोयल ने कहा कि यह लड़ाई कोटपूतली के स्वाभिमान की लड़ाई है। कोटपूतली के सभी समाज कोटपूतली को समर्थ व सषक्त बनाने के लिए प्रण के साथ जुटे हुए है। गोयल ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार व अपराध मुक्त कोटपूतली बनाना ही हमारा उद्देश्य है।

सभा के बाद रैली के रूप में सभी लोग सत्यम गार्डन से रवाना होकर मुख्य चौराहे, नगरपालिका तिराहे होते हुए फ्रूल व सब्जीमंडी परिसर पहुॅचे जहॉ षिव मंदिर में धोक लगाने के बाद रैली विसर्जित हुई। लगभग 6 किमी लम्बी इस रैली में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता होने के बाद भी रैली का अनुशासन प्रशंसनीय था। रैली में कार्यकर्ता उत्साह के साथ नाचते हुए चल रहे थे। कार्यकर्ताओं ने अपने नेता को अपने कन्धों पर बैठा लिया।

नामांकन रैली के दौरान गोयल ने मुख्य चौराहे पर स्थित ज्योतिबा फूले जी की प्रतिमा, नगरपालिका पार्क स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की व विकास पुरूष मुक्तिलाल मोदी की प्रतिमा व नगरपालिका तिराहे पर स्थित श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद भी लिया। इससे पूर्व मुकेश गोयल ने गुरूवार सवेरे विभिन्न मंदिरों में धोक लगाकर कोटपूतली की जीत की कामना की। नामांकन के लिए घर से निकलते समय मुकेश गोयल ने अपनी माता का आशीर्वाद भी लिया।

सभा को वरिष्ठ नेता मास्टर श्रीराम यादव, हनुमान सैनी नेताजी, फूलचन्द सैनी नेताजी, राजेश सवाईका, प्रमोद सैनी गुरूजी, ओमप्रकाश आर्य करवास, पार्षद विजय आर्य, सवाई सिंह पुरूषोत्तमपुरा, एडवोकेट सुरेन्द्र चौधरी, सुभाष घोघड़, जयसिंहपुरा पूर्व सरपंच शीषराम, पूर्व सरपंच महेश यादव, कैप्टन ज्ञानेन्द्र सिंह, रूप सिंह टसकोला, जिला पार्षद नरेन्द्र यादव, अमीचन्द धानका, सरपंच नेतराम ताखर, सरपंच जगमाल सिंह, प्रभुदयाल यादव, बगुला प्रसाद स्वामी, सुनिल यादव, पार्षद जयराम रावत, पार्षद जगदीष चेलरवाल, मनोज अग्रवाल, दक्ष सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेष प्रजापत, राव मनोज, एडवोकेट मुकेश यादव, प्रजापत समाज के अध्यक्ष चन्दाराम प्रजापत, मामन स्वामी, पं.स.स. विक्रम यादव, पं.स.स. सुधीर यादव, एडवोकेट राजेष चौधरी, उम्मेद सिंह कूजोता, होलदार रमेष यादव, टसकोला सरपंच मुकेष सैनी, एडवोकेट उदय सिंह तॅवर सरूण्ड, पूर्व सरपंच रविन्द्र मीणा, गगन आर्य, रघुवीर सिंह, रविन्द्र सिंह बनेठी, रामसिंह तॅवर, देषराज सिंह तॅवर, अषोक सिंह, पृथ्वी सिंह, अनिल यादव, विरेन्द्र नवल, एडवोकेट अषोक बंसल, कैलाष चन्द टेलर, अषोक गोयल, नवल खण्डेलवाल, प्रफुल्ल रमन, सुरेन्द्र सिंह, कृष्ण सिंह, किषनलाल मीणा, भूपसिंह यादव, राकेष पाल सिंह, बृजपाल सिंह, योगेन्द्र सिंह, विरेन्द्र सिंह नारेहड़ा, शीषराम जाट, कमल गुप्ता पूरण मल यादव, ख्यालीराम सैनी दातिल, रामेष्वर सैनी, दीपक सैनी, सुन्दर सैनी, राजेष सराधना, पार्षद कृष्ण छावड़ी, मनोज गौड़, सूरेष सूद, विष्णु भाटी, मुकेष लताला, बनवारी सिंह खड़ब, राजेन्द्र होलदार, सुभाष शर्मा दवाईवाले, युवा नेता समीर जोषी, भूपेन्द्र सैनी, विक्रम सैनी विक्रम शर्मा खुर्दी, दिलीप यादव, दीपक मीणा, मिथलेष यादव, सुषील यादव, इन्द्र जाटू योगी, राजू जाट, रमन सैनी, अमित सैनी, पूरण खटाणा, बजरंग लाल शर्मा, रमेष चौधरी, पूरण जाट, दाताराम जाट, ममित राठौड़, उपेन्द्र सिंह, पूर्व जिला पार्षद प्रविन्द्र आर्य, रविन्द्र बाघोतिया, मंगतूराम सोनी, दयाराम प्रजापत, संदीप सनवाल, केषरसिंह, पैपसिंह, मूलाराम यादव, प्रविण भूषण, दयाराम सैनी, बिजेन्द्र सैनी, ओमप्रकाष आर्य थानेदार, गोपाल लाल आर्य, मनीष सोनी, सुरेष चन्द वैद्यजी, पूरण चौपड़ा, मंगतूराम आर्य आदि वक्ताओं अपने विचार व्यक्त करते हुए मुकेष गोयल को भारी बहुमत से जिताकर धनबल व बाहुबल के आधार पर कोटपूतली को बॉटने वालों को करारा जवाब देने की बात कही।

भाजपा उम्मीदवार का नामांकन, मोदी मोदी के नारो से गुजां कस्बा

कोटपूतली-बहरोड़/दैनिक शुभ भास्कर /राजकुमार शर्मा

कोटपूतली. विधानसभा क्षेत्र से गुरूवार भाजपा प्रत्याशी हँसराज पटेल ने अपना नामांकन दाखिल किया। भाजपा प्रत्याशी हंसराज पटेल के नामांकन के दौरान टोंक सवाईमाधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। भाजपा प्रत्याशी हंसराज पटेल ने एसडीएम कार्यालय पहुंच कर अपना नामांकन दाखिल किया, नामांकन के बाद पटेल के समर्थन में डाबला रोड के एक निजी गार्डन में आम सभा का आयोजन किया, भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया और सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित पटेल का माला और साफा पहना कर स्वागत किया। वहीं मंच पर सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को तलवार भेंट की गई, जहां सांसद ने तलवार लहरा कर चुनावी शंखनाद किया। सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की जयपुर ग्रामीण क्षेत्र मेरा परिवार है मैं कहीं भी रहूं कोटपूतली के लिए हमेशा तैयार रहूंगा, सांसद ने कहा कि सभी को एकजुट होकर चुनाव लड़ना है। टोंक सवाई माधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने कहां की यह कोई व्यक्ति विशेष का चुनाव नहीं, यह चुनाव देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है, यह चुनाव कमल के फूल का चुनाव है, हंसराज पटेल ने आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर मैं जीता हूं तो बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था को दुरुस्त करना, महिला सुरक्षा, भ्रष्टाचार का अंत करना मेरा प्रमुख धेय रहेगा। इसके उपरांत एक रैली निकाली गई जहां हजारो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए, रैली का जगह जगह जेसीबी से फूल बरसा कर स्वागत किया गया। रैली के दौरान दोनो सासंद मोदी सरकार के समर्थन में बज रहे गानो पर झुमते नजर आये।

दीपावली पर्व पर विशेष अभियान जारी

पनीर मिठाई एवं नमकीन फैक्ट्री का औचक निरीक्षण लिये नमूने

सुनील कुमार मिश्रा/ दैनिक शुभ भास्कर/ राजस्थान /उदयपुर /आयुक्त खाध सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर एवं डां शंकर एच बामणिया सीएमएचओ उदयपुर के निर्देश अनुसार आज खाध सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता द्वारा ढींकली स्थित पनीर बनाने वाले कारखाने मैसर्स श्री कृष्णा दुध एवं पनीर भंडार की जांच की एवं पनीर का नमूना जांच हेतु लिया यहाँ फूड लाइसेंस एवं फूड सैफ्टी एवं डिस्प्ले बोर्ड का डिस्प्ले नहीं पाया गया तथा साफ सफाई का अभाव पाया गया। इसके बाद पालडी- चिकलवास स्थित नमकीन फैक्ट्री मैसर्स--आशुतोष भुजिया प्रोडक्टस से नमकीन लौंग सेव का नमूना जांच हेतु लिया गया। निरीक्षण के दौरान यहाँ कुछ कमियाँ मिली, फूड लाइसेंस का डिस्प्ले नहीं पाया गया, फूड सैफ्टी डिस्प्ले बोर्ड उपलब्ध नहीं पाया गया, पानी की रिपोर्ट नंही पायी गयी। पेस्ट कंट्रोल सर्टिफ्किेट उपलब्ध नहीं पाया गया, दोनों ही फर्मो को इसमें सुधार हेतु इम्प्रुमेंट नोटिस जारी किया जावेगा। उधर नरेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में खाध सुरक्षा दल ने सैक्टर-3 स्थित मैसर्स--जय मिष्ठान भंडार से काजू कतली एवं मलाई बरफी का नमूना तथा सविना स्थित मैसर्स--पटेल मिल्क प्रोडक्ट से पनीर एवं खोया का नमूना जांच हेतु लिया गया। खाध सुरक्षा दल में अशोक कुमार गुप्ता नरेंद्र सिंह चौहान, जगदीश प्रसाद सैनी, दिनेश सैन, सांवर लाल, शामिल रहे। दीपावली विशेष अभियान के तहत दुध, पनीर, खोया, घी, तेल, डाई - फूड्स, मसाले, मिठाई, नमकीन पर विशेष रूप से निगरानी की जावेगी। लैब से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर संबंधित के खिलाफकार्रवाई की जावेगी। यह है कि नमूना सब स्टैण्डर्ड पाये जाने पर खाध सुरक्षा एवं मानक अधिनियम - 2006 के अनुसार 5 लाख रुपये तक, मिसब्राण्ड पाये जाने पर 3 लाख रुपये तक, अनसेफ पाये जाने पर 6 माह से लेकर आजीवन कारावास एवं 1 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा मिलावटीयों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जावेगी।

वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

304 के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को पूंछ थाना पुलिस के द्वारा किया गया गिरफ्तार। जानकारी के मुताबिक महेश चंद उर्फठाकुर केवट पुत्र मंगल केवट निवासी ग्राम महाराजगंज ढेरी थाना पूछ जिला झांसी उम्र 35 वर्ष को एक अदद कत्ल करने वाले डंडे के साथ ग्राम ढेरा तिराहा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक महेश चंद्र थाना पूछ एवं कांस्टेबल अजय कुमार थाना पूछ मौजूद रहे।

कोचिंग जा रही छात्रा को ट्रक ने मारी टक्कर बेहोशी हालत में पहुची अस्पताल

आपको बता दे झांसी जिले के अंतर्गत आने वाले थाना गुरसराय के ग्राम पंचायत मडोरी के समीप ग्राम आस्था से गुरसराय साइकिल से कोचिंग पढ़ने जा रही दो छात्रों को गुरसराय से कुरेरा की तरफजा रहे अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों छात्राएं घायल हो गई आनन फानन में राहगीरों द्वारा इसकी सूचना गुरसराय थाने पुलिस व 108 एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस की मदद से घायल छात्राओं को एंबुलेंस से प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय भेजा जहां पर डॉक्टरों द्वारा घायल छात्राओं को प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया।घायल छात्राओं के नाम नेहा सिंह पुत्री बलराम सिंह उम्र 19 निवासी ग्राम अस्ता साक्षी सिंह पुत्री सतेंद्र सिंह उम्र 18 निवासी ग्राम अस्ता बताया गया।

एडीओ पंचयात अधिकारी द्वारा चौपाल लगाई

मऊरानीपुर ,संजीव तिवारी। शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत मैलवार में एडीओ पंचायत महेंद्र पटेल की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान भगवानदास कुशवाहा, ग्राम विकास अधिकारी इन्द्र विजय, रोजगार सेवक विजय साहू ,रीना आर्य पंचायत सहायक, रवि कुशवाहा सहायक अध्यापक आदि उपस्थित रहे।

गांव में निकले श्री जी भगवान का विमान

मऊरानीपुर ,संजीव तिवारी। ग्राम भण्डरा में नरसिंह भगवान के मंदिर का विमान गाजे बाजे साथ जल बिहार के लिए निकाला गया। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की रात्रि में ग्राम भण्डरा में नरसिंह भगवान का विमान गाजे बाजे के साथ जलविहार के लिए देव प्रतिमाओं को नदी के पवित्र जल से जल विहार कराया तथा विमान को रात्रि में पूरे ग्राम में भ्रमण कराया गया। जिसमें मनमोहक एवं दिव्य रूप में सजी मूर्तियों को देखकर ग्रामीणजन भक्ति भाव में विभोर होकर भगवान का जयघोष करते हुए साथ रहे। विमान में विराजमान भगवान जी का रोरी चंदन से टीका कर मंगल आरती घर घर उतारी गई। इस दौरान मंदिर के पुजारी सत्यनारायण सोनकिया,लखन पटेल, मोनू पटेल, मनोज पटेल, दीपक पटेल, अनिल सोनी, जितेन्द्र सेन, गोविन्ददास रैकवार, जीतू बाबा, कल्लू, मुकेश,पवन सैन,शिवम, जीतू श्रीवास साथ रहे।

शोसल आडिट टीम द्वारा निरीक्षण किया

मऊरानीपुर ,संजीव तिवारी। ग्राम पंचायत खिलारा में वित्तीय वर्ष 2022 ,23 में मनरेगा योजना अंतर्गत कराये गये कच्चे, पक्के कार्यो एवं गांव में बन रहे आवासों का भौतिक सत्यापन सोशल आडिट टीम द्वारा किया गया। सोशल आडिट की अध्यक्षता गुड्डा यादव ने तथा संचालन सचिव धर्मेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान ब्लांक कोर्डिनेटर अमित प्रताप सिंह यादव, प्रधानपति माधव प्रसाद मिश्रा, तकनीकी सहायक साकेत बिहारी शर्मा, सुरेन्द्र द्विवेदी, रोजगार सेवक गंगाराम अहिरवार, पंचायत सहायक सीमा पाल, दिनेश कुमार, लेखराज पाल हरिओम अहिरवार पल्टू पाल आदि मौजूद रह

स्वास्थ विभाग द्वारा टीकाकरण किया गया

मऊरानीपुर ,संजीव तिवारी। प्राथमिक विद्यालय खिलारा में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 5 वर्ष तक के बच्चों का विशेष टीकाकरण अभियान के तहत की टीकाकरण किया गया। इस दौरान एएनएम रजनी वर्मा, आशा बहू द्रोपदी द्विवेदी, रेखा मिश्रा, रामगोविन्द दुबे सहायक अध्यापक, सवेश मिश्रा, सविता श्रीवास आदि सहयोग मौजूद रहे।

किसान मेला का आयोजन किया गया

मऊरानीपुर ,संजीव तिवारी। राजकीय कृषि बीज भण्डार केंद्र पर शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय रबी गोष्टी तथा किसान मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान मऊरानीपुर ब्लाक प्रमुख आनन्द सिंह परिहार, भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप पटेल ने फीता काटकर रबी गोष्ठी का उद्घाटन किया। किसान मेला में कृषि कैसी वैज्ञानिकों ने किसानों को जैविक पद्धति से खेती करने के गुर सिखाए। इस मौके पर एसएमएस इंद्रपाल पटेल, सहायक कृषि निरीक्षक भीकाराम कुशवाहा, हेमंत साहू, बबीता रैकवार, हनुमत सिंह बीटीएम, उत्तम कुमार, कृष्ण अवतार, रघुवीर सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, राहुल सिंह सोलंकी, देवप्रकाश अहिरवार, प्रेमनारायण आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों की शोक सभा आयोजित

पत्रकारों की शोक सभा आयोजित की गई जिसमें वरिष्ठ पत्रकार अरविंद जैन उर्फबिंदु की माताजी का आकस्मिक निधन हो जाने पर शोक प्रगट किया गया इस मौके पर अशोक गुप्ता बिजय ब्यास सुधीर जैन गिरवर सिंह प्रमोद सिंह संजीव तिवारी सौरभ भार्गव मंगल सिंह सेंगर रिकू महाराज, मुकेश सिंह महेंद्र सिंह,धर्मन्द्र सिंह रवि रथा अजय गुप्ता भपेंद्र सिंह डॉ मकबूल बिबेक आर्य,सुनील सोनी संतोष श्रीवास नेहा श्रीवास अंजना यादव,शाहीन असर्फी,राजेश विलाटिया, अमित मिश्रा सोनु मिश्रा ,अखिलेश राज रवि परिहार, अभिषेक पाठक जीत नायक राजीव दीक्षित गजेंद्र सिंह दीपक सैनी अश्वनी सिंह बालमुकंद साहू राम पाल प्रजापति जगदीश श्रीवास संतोष श्रीवास, दिलीप सरावगी, मुकेश राजपूत,रेशु शांडिल्य, कुलदीप रावत, रजनीश दुवे लक्ष्मण सिंधी,भगवत मोर,चंदू राइन,संदीप साहू पंकज श्रीवास,उमेश अहिरवार,बिनोद सोनी,पुरुषोत्तम राय,संजय दुवे असलम, अमित अहिरवार आदि पत्रकारों ने शोक प्रगट किया

ग्रामीण क्षेत्रो में मतदाता अभियान चलाया गया

समथर, झांसी, नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में केन्द्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप वोटर चेतन महा अभियान के अंतर्गत भा, ज, पा, किसान मोर्चा के जिला महामंत्री एवं समथर मंडल के संयोजक कृष्ण चंद्र तिवारी ने मंडल के महामंत्री सिंह किंग साहब गुर्जर , कांत राजपूत , प्रतिपाल सिंह दांगी , जिला कार्यालय प्रभारी किसान मोर्चा सेक्टर संयोजक पहलवान पाल एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम करही , इमलिया स्टेट , बैदौरा , आदि ग्रामों में जाकर नये वोटर बढ़ाने के लिए लोगों को प्रेरित किया करते हुये लोगों से कहा कि आप सभी लोग नये मतदाता बनाने में बिशेष सहयोग करें। मतदाता सूची में दर्ज गलत एवं मृतक लोगों के नाम हटा कर नये मतदाता बनाने के लिए बिशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी पुष्कर जी दांगी ने नामांकन भरा मावली विधानसभा सीट से

दैनिक शुभ भास्कर /जमनेश आमेटा /राजस्थान /उदयपुर /मावली तहसील मावली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी श्री पुष्कर लाल डांगी ने आज एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अपने समर्थन को सहित भारी भीड़ के सहित नामांकन प्रस्तुत किया

भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फेल हो चुकी हैरू नरेश उत्तम पटेल

झांसीद्य समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सर्किट हाउस में पत्रकार के दौरान भाजपा सरकार पर जमकर्ती के प्रहार किये इस दौरान उन्होंने वर्तमान देश व प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है ए स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ध्वस्त है ए भाजपा सरकार द्वारा झूठे आंकड़े पेश किया जा रहे हैं एउत्तर प्रदेश अब समस्या प्रदेश बन गया है

बजरंग दल ने किया वानर का अंतिम संस्कार

दैनिक शुभ भास्कर / राजस्थान / चितौड़गढ़ / रावतभाटा तहसील के जावदा में कोटड़ा बालाजी रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से वानर की मौत हो गई, जिसके शव का हिंदू धर्म के रीति रिवाज से बजरंग दल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अंतिम संस्कार किया।बजरंग दल सुरक्षा प्रमुख राहुल धाकड़ ने बताया कि आज कोटड़ा बालाजी से आते समय रोड पर एक वानर का शव पड़ा मिला। जिसे बजरंगीयों ने जावदा पहुंच कर अंतिम संस्कार के समान लेकर वापस वहा जाकर हिंदु धर्म के रीति रिवाज से वानर का अंतिम संस्कार किया और बालाजी सरकार से वानर की आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की । जावदा खंड बजरंग दल अध्यक्ष मांगू सिंह राठौड़,उपाध्यक्ष सूरज गुर्जर,बजरंगी शिवलाल कुमावत,महेश विजयवर्गीय और बजरंग दल सुरक्षा प्रमुख राहुल धाकड़ सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शाहपुरा सीट से मनीष यादव ने दाखिल किया नामांकन कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर भरा पर्चा

दैनिक शुभ भास्कर/ रवि कुमार सैनी/राजस्थान/कांग्रेस पार्टी से अभी तक 44 सीटों से प्रत्याशियों की घोषणा होना बाकी है। जिनमें शाहपुरा विधानसभा सीट से भी प्रत्याशी की घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में शुक्रवार को मनीष यादव ने कांग्रेस की तरफ से अपना नामांकन दाखिल किया है।मनीष यादव ने बताया कि मैं 3 नवम्बर को अपना नामांकन कांग्रेस पार्टी की ओर से शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी के सामने उपस्थित होकर जमा करवा रहा हूं। पार्टी की ओर से अधिकृत सूची आने के बाद जन आशीर्वाद सभा की तिथि, समय और स्थान तय करके आप सभी को सूचित कर दिया जाएगा।मनीष यादव अपने अधिवक्ता के साथ जाकर शाहपुरा निर्वाचन अधिकारी के सामने 1रू15 पर आवेदन भरा और करीब 1रू30 बजे सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जैसे ही टिकट की लिस्ट विधिवत आएगी। उसके बाद सभा की जाएगी। जिसकी तिथि और तारीख में बता दी जाएगी।

हाइकोर्ट के कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट के ऑर्डर के बाद भी बिन अनुदान होगी लवीना संस्थान की दीपावली

दैनिक शुभ भास्कर/ विशाखा व्यास/ राजस्थान /उदयपुर लवीना संस्थान-रब रूठा राज भी,संस्थान के बच्चे न्यायालय के भरोसे।माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर के स्थगन आदेश से चल रहा लवीना विकास सेवा संस्थान, ओंगना का बीटी कॉटन के निराश्रित बालश्रमिकों का होम जहां वर्तमान में इकत्तीस बालक निवासरत है उनकी दीपावली बिन अनुदान के कैसे होगी इसका जवाब किसीके पास नहीं।बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मीना शर्मा द्वारा पूर्व में भी लवीना संस्थान से बारह बालक कोटड़ा ट्रांसफर किये गए उसके बाद छ बालक कुल अठारह बालको का आज तक पता नहीं।जिसमें से एक बालक सुरेश दुबारा से मजदूरी करते मिला जो फिर से लवीना संस्थान में पढ़ रहा है इसलिए वर्तमान में लवीना संस्थान में रह रहे बच्चे सहायक निदेशक के रवैये से इतना डर गए कि उन्होंने स्थापना दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उदयपुर के एडीजे एवम सचिव कुलदीप शर्मा एवम श्रमराज्य मन्त्री जगदीशराज श्रीमाली के सामने सहायक निदेशक के भृष्टाचार के लिए तख्तियां लहराते हुए पुरजोर विरोध किया।परन्तु सहायक निदेशक की पहुंच ऊपर तक होने एवम भृष्ट होने से इन बच्चों की पुकार आज तक किसीने नहीं सुनी।कहते है बच्चों में भगवान का निवास होता है और सहायक निदेशक पहले प्रशासन फिर राज्य सरकार पर भारी पड़ी उसके बाद भगवान को भी नहीं छोड़ा।

राजकुमार विधानसभा प्रभारी मनोनित

दैनिक शुभ भास्कर, जिला कोटपूतली - बहरोड़। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नूतन ठाकुर ने राजकुमार शर्मा को निवासी कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर बुद्धिप्रकाश सैनी ,महेश कुमार सैनी, अशोक सैनी सहित अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

अभिजीत मुहूर्त से ना चुके इसलिए समर्थो के साथ दौड़ लगाकर निर्वाचन कार्यालय पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी गणेश घोगरा

राजस्थान डूंगरपुर। दैनिक शुभ भास्कर/ प्रकाश बारोट/ राजस्थान डूंगरपुर। नाकामान के पांचवा दिन डूंगरपुर विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी गणेश घोघरा ने अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पूर्व गणेश घोघरा सुबह कलेक्ट्री के निकट स्थित वागड़ गांधी वाटिका में सुबह से बड़ी संख्या में कांग्रेस के प्रत्याशी गणेश घोघरा के समर्थको का जुटना शुरू हुआ। इस दौरान पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा,शंकर यादव सहित कई नेता मौजूद रहे। वागड़ गांधी वाटिका से भारी समर्थकों के साथ गणेश गोगरा ने नामांकन दाखिल करने पहुंचे इस दौरान नामांकन दाखिल करने का अभिजीत मुहूर्त ना चुके इसके लिए गणेश गोगरा ने समर्थकों के साथ निर्वाचन कार्यालय तक दौड़ लगाकर पहुंचे। निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अभिजीत मुहूर्त में अपना नामांकन दाखिल किया इसके बाद कार्यकर्ताओं ने गणेश घोघरा को निर्वाचन कार्यालय के बाहर से कंधे पर बैठकर रेली के रूप वापस जाते हुए दिखे।

पूंछ पुलिस ने अनुज केवट मौत घटना का किया पर्दाफाश एक गिरफ्तार

गुरसरांय पूंछ झांसी । पूंछ थाना अंतर्गत महाराजगंज ढेरी में लगभग तीन दिन पहले अनुज केवट पुत्र छेदीलाल केवट का गांव के ही एक व्यक्ति से झगड़ा हुआ था और इसके बाद वह व्यक्ति शराब के नशे में अपने घर चला गया था जहां सुबह उसकी परिवारजनों को जब वह सोकर नहीं उठा और देखा गया तो मृत पाया गया था इसको लेकर गांव से लेकर पूरे क्षेत्र में उसकी मौत को लेकर तरह.तरह की चर्चाएं थी और उसके परिवारजनों ने गांव के ही महेश चंद्र ठाकुर केवट पुत्र मंगल केवट निवासी ग्राम महाराजगंज ढेरी थाना पूंछ जिला झांसी उम्र 35 वर्ष के विरुद्ध अपराध संख्या 212ध्23 धारा 304 भादवि मैं दर्ज हुआ था। इसको लेकर झांसी जिले के पुलिस कप्तान राजेश एस के कुशल निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपीनाथ सोनी की पर्यवेक्षण में डिप्टी एसपी मोठ हरिमोहन सिंह कि निकट नेतृत्व में थानाध्यक्ष पूंछ अरुण कुमार तिवारी की देखरेख में सब इंस्पेक्टर महेश चंद्रए कांस्टेबल अजय कुमार आदि पुलिस स्टाफ को मुखबिर खास से सूचना मिली की आपके थाने का अभियुक्त महेश चंद्र ठाकुर केवट कहीं भागने की फिराक में है जिस पर पुलिस ने समय गवाएं बिना ग्राम ढेरा तिराहे पर 3 नवंबर 2023 को दबिश दी तो उक्त आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा पुलिस टीम ने पीछा करते हुए चंद दूरी पर ही उसे गिरफ्तार कर थाने लाई। और उसकी निशान देही पर एक अदद आलाकत्ल डंडा बरामद कर गिरफ्तार अभियुक्त को कानूनी कार्रवाई कर संबंधित न्यायालय भेज दिया है इस खुलासे से क्षेत्र में इस घटना को लेकर चल रही चर्चाओं को पूरी तरह विराम लग गया है और थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी का प्रत्येक घटना का जल्द खुलासे का हमेशा की तरह इस बार भी विश्वास बरकरार रहा है जिसकी क्षेत्रवासियों द्वारा सराहना की गई है।

सात को हक की बात पर डीएम से कर सकते संवाद

हमीरपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षाए सम्मानए स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति के विशेष अभियान ;फेज.4द्ध का संचालन होगा। सात नवंबर को अब्दुल कलाम सभागार में पांच बजे होने वाले हक की बात कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ सीधा संवाद कर सकते हैं। जिसमें जनपद स्तर पर लैंगिक असमानताए घरेलू हिंसाए कन्या भ्रूण हत्याए कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेज हिंसा आदि की पीड़ित महिलाओं के संरक्षणए सुरक्षा तंत्रए सुझावों तथा सहायता के लिए न्यूनतम दो घंटे के पारस्परिक संवाद होगा। साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड व सामान्य के अन्तर्गत लाभांवित बच्चों के साथ ही मेगा इवेंट.शक्ति संवाद का आयोजन करेंगे। बच्चों व उनके परिवारों की चुनौतियों और उनके समाधानों पर विचार.विमर्श के साथ उन्हें आवश्यक सहायता सुनिश्चित किए जाने के लिए डीएम व जिला प्रोबेशन अधिकारी के साथ सीधा संवाद कर सकते है।

शैक्षिक गुणवत्ता सर्वेक्षण परीक्षा में सैंकड़ा परीक्षार्थियों ने भाग लिया

जालौन। शिक्षा की गुणवत्ता, मानक एवं मूल्यांकन प्रणाली को बेहतर बनाने के लिये एवं उसकी जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजित शैक्षिक गुणवत्ता सर्वेक्षण परीक्षा का आयोजन एसबीडीएम इंटर कॉलेज व आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज में किया गया। जिसमें लगभग एक सैंकड़ा परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा के मानक और उसके मूल्यांकन के लिए परख 2023 के तत्वावधान में शैक्षिक गुणवत्ता सर्वेक्षण परीक्षा का आयोजन कराया जा रहा है। जिसके अंतर्गत नगर के एसबीडीएम इंटर कॉलेज एवं आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज में परीक्षा का आयोजन किया गया। जूनियर वर्ग व सीनियर वर्ग में आयोजित की गई परीक्षा में लगभग एक सैंकड़ा परीक्षार्थियों ने भाग लिया। जिसमें सामान्य ज्ञान, हिंदी और गणित से संबंधित प्रश्न पूछे गए। एसबीडीएम इंटर कॉलेज में मुख्य सर्वेक्षण अधिकारी के रूप में नितिन निरंजन उपस्थित रहे। आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज में प्रदीप कुमार सिंह व नेहा निरंजन की उपस्थिति में परीक्षा संपन्न हुई। इस दौरान पर्यवेक्षक के रूप में संयुक्त निदेशक भगवत पटेल ने सेंटर का निरीक्षण किया। मुख्य सर्वेक्षण अधिकारी ने बताया कि विद्यालयों और बच्चों के समग्र विकास के लिये ज्ञान प्रदर्शन, मूल्यांकन, समीक्षा परख के माध्यम से की जा रही है। परीक्षा के माध्यम से सीखने के मूल्यांकन के लिए तकनीकी सहयोग देना, सर्वेक्षण को मजबूत बनाना, मूल्यांकन के लिये क्षमता निर्माण को सुदृढ़ बनाना, छात्रों में सीखने के परिणामों की निगरानी एवं सूचना प्रदान करना, परीक्षा बोर्ड का मार्गदर्शन करना, शामिल है। परीक्षा संपन्न कराने में प्रधानाचार्य जावेद सिद्दीकी, आशीष बाथम, अजय, अबु तालिब आदि ने सहयोग किया।

डीएम ने चमारी की गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये

विभिन्न स्थानों पर सी0सी0टीवी कैमरे लगवाये जाये

उरई(जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने चमारी गौशाला का निरीक्षण कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि चरही शेड के दोनों तरफ सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं और साथ ही भुसा घर तथा मुख्य द्वार पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं ताकि गौवंशों की भरण पोषण की उच्च निगरानी की जा सके। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि गौशाला में मृत गौवंशो का पोस्टमार्टम अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गौवंशो का स्वास्थ्य परीक्षण के लिये नियमित रूप से परीक्षण किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि गौशाला के चारो तरफ बाउंड्रीवाल बनाई जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि गौशाला को तीन भाग में विभाजित किया जाय जिसमे प्रथम भाग में साँड़, द्वितीय भाग में गाय और तृतीय भाग में बछड़ा-बछड़ी को संरक्षित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि गौशाला में चारा, भूसा,पानी आदि उपलब्धता सुनिश्चित रहे। उन्होंने गौशाला में साफ-सफाई व्यवस्थित ढंग से किये जाने हेतु निर्देशित किया और साथ ही गौपालकों की संख्या बढ़ाये जाने के निर्देश दिये।

हरौलीपुर एवं पत्यौरा डांडा में पेयजल योजना की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी ने की

जल जीवन मिशन के कार्यो को युद्ध स्तर पर पूर्ण कराने के निर्देश दिये

हमीरपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हरौलीपुर एवं पट्योरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि हरौलीपुर एवं पट्योरा डाडा ग्राम समूह पेयजल योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न कंपोनेंट में शेष कार्यो को शीघ्र पूर्ण कर इसके समयबद्ध ढंग से संचालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यो के सुचारू ढंग से संपादन हेतु पर्याप्त मैन पावर की व्यवस्था रखी जाए। योजना के अंतर्गत सभी कार्य निर्धारित मानक के अनुसार पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि आईएसए के अंतर्गत जल जीवन मिशन के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए तथा जल संरक्षण के बारे में प्रोत्साहित किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को अवशेष कार्य को पूर्ण कर जल्द से जल्द पेयजल की सप्लाई का लाभ ग्रामीणों को दिलाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत विभिन्न कार्यो को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए । इस कार्य में शिथिलता बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं को नोटिस देकर आगे की कार्रवाई की जाय। ज्ञात हो कि पट्योरा डांडा पेयजल योजना के तहत 148 गांव तथा हरौलीपुर पेयजल योजना से कुल 207 गांव को हर घर नल से जल प्राप्त होगा । इसके अंतर्गत पट्योरा डांडा पेयजल योजना तथा हरौलीपुर पेयजल योजना के अंतर्गत विभिन्न गांवों में टेस्टिंग का कार्य चल रहा है। इस दौरान एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार यादव, अधिशासी अभियंता जल निगम संदेश तोमर , अधिशासी अभियंता विद्युत राठ व हमीरपुर सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

लाखों खर्च के बाद भी सार्वजनिक शौचालय देख-रेख के अभाव में

हमीरपुर। सरीला नगर में सार्वजनिक स्थलों पर लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए सार्वजनिक शौचालय व पेशाब घर देखरेख के अभाव में बदहाल पड़े हुए है। कहीं गंदगी का अंबार है, तो कहीं उनपर ताला लटक रहा हैं। वहीं जो चल रहा है उसकी भी हालत खराब है। साथ ही कई ऐसे सार्वजनिक स्थान हैं, जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन रहता है। लेकिन वहां न तो शौचालय और न ही यूरिनल की व्यवस्था है। ऐसे में सबसे अधिक दिक्कत महिलाओं सहित अन्य लोगों को उठानी पड़ती है।

सरीला नगर पंचायत द्वारा पिछले कार्यकाल में सार्वजनिक स्थानों पर सार्वजनिक शौचालय व पेशाब घर का निर्माण कराया गया है, जिससे नगर सहित आने-जाने वाले राहगीरों को सुविधा मिल सके फिलहाल देखरेख के अभाव में इन शौचालयों पर ताला लटक रहा है। वहीं कई शौचालयों पेशाब घर पर केयर टेकर की व्यवस्था नहीं होने से गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

नगर के निवासी अमित द्विवेदी ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही से नगर में बने शौचालय बदहाल हैं। बताया की जरिया ममना स्टैंड से प्रतिदिन सैकड़ों लोग नगर सहित ग्रामीण इलाकों से पहुंचते हैं, लेकिन यहां बने शौचालय में टाला लटकता रहता हैं। इसके अलावा बाजार व इंडियन बैंक के पास बने यूरिनल में गंदगी का अंबार लगा है जिसके चलते खरीदारी करने आने वाले दूर-दराज के लोगों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। उपजिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस संबद्ध में पूर्व में कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है। अगर कहीं सार्वजनिक शौचालय बदहाल होगा तो उस दुरुस्त कराया जाएगा।

सब्जी मंडी में आवारा जानवरों की आवक से व्यापारी व किसान परेशान

जालौन। नगर की थोक फ्ल व सब्जी मंडी में आवारा जानवरों का विचरण होता है। जानवर खाने को लेकर आपस में लड़ भी पड़ते हैं। जिससे व्यापारियों और किसानों को डर बना रहता है। मंडी के व्यापारियों ने आवारा जानवरों की समस्या का समाधान कराने की मांग एसडीएम से की है। उई-जालौन मार्ग पर थोक फ्ल व सब्जी मंडी स्थित है। कुछ खाने के चक्कर में आवारा पशु मंडी परिसर व बाहर विचरण करते रहते हैं। इन पशुओं में गोवंशीय पशुओं के अलावा गधे व खच्चर भी शामिल हैं। दर्जनों की तादाद में मंडी व बाहर घूमने वाले आवारा पशु दुर्घटनाओं का सबब बनते हैं। सड़क पर वाहन चालक इन पशुओं से टकराकर अक्सर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। जिससे न केवल वाहन क्षतिग्रस्त होते हैं। बल्कि वाहन चालक भी चुटहिल होते हैं। मंडी के व्यापारी अशफाक राईन, वाहिद, सुलेमान आदि ने बताया कि खाने के चक्कर में पशु मंडी के अंदर भी लड़ पड़ते हैं। लड़ते हुए कभी किसी दुकान में भी घुस जाते हैं। जिससे व्यापारी अथवा किसानों के घायल होने का खतरा बना रहता है। उन्होंने एसडीएम से मांग करते हुए कहा कि मंडी व मंडी के बाहर आवारा घूम रहे आवारा पशुओं की समस्या का स्थाई समाधान कराया जाए। ताकि व्यापारियों और किसानों का भय कम हो और दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

कालेज के अंदर छात्र को पीटा हुआ बेहोश

कालपी(जालौन)। कालेज में घुसकर छात्र को अराजकतत्वों ने जमकर पीटा जिस से वह बेहोश हो गया। पीड़ित के परिजनों ने थाने में तहरीर दी। नगर के मोहल्ला मिर्जा मंडी निवासी रूद्रांश पांडेय ने कोतवाली में दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि शुक्रवार को मैं वह कक्षा 12 का पेपर देकर जैसे ही कक्षा से बाहर निकला तो कालेज में पढ़ने वाले छात्र रतन द्विवेदी व प्रशांत तथा उसके साथ आये। निखिल पंडित और चार-पांच बाहरी युवकों ने मुझे लात घूसों और डंडो से जमकर पीटा जिस से छात्र बेहोस होकर गिर पडा वही छात्र को उसके साथी छात्र कोतवाली लेकर पहुचे जहां पर बताया कि उसकी जेब में पड़े 350 रुपया पैन आदि भी आरोपित निकाले ले गये। वही अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक मो अशरफ्ने बताया कि तहरीर मिली है। और आरोपितो की तलाश में पुलिस जुटी है इस से पूर्व भी कालेज में अक्सर छात्रों के बीच मारपीट के मामले कोतवाली में आ चुके है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों का टीकाकरण कराया

भरुआ सुमेरपुर। आज वृहद टीकाकरण अभियान के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय टिकरौली कंपोजिट विकास खण्ड सुमेरपुर में बच्चों का टीकाकरण किया गया ।जिसमें अकबर अली जिला स्काउट मास्टर व नोडल प्रभारी के निर्देशन में विद्यालय के टीकाकरण ना हुए बच्चों का टीकाकरण किया है । टीकाकरण पिंकी पटेल एएनएम व आशा बहु आशा देवी के द्वारा कराया गया। जिसमें अभिभावको से सहमत लेते हुए प्राजंलि ,शालिनी, पूर्णिमा ,आदित्य ,हर्षित ,आकाश इत्यादि बच्चों को वैक्सीनेशन किया गया इस अवसर पर डब्लू एच ओ एफ्एम अमित कटियार एवं यूनिसेफ बीएमसी अखिलेश कुमार तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

बस अड्डों व बसों के नामकरण के संबंध में जिलाधिकारी ने बैठक की

हमीरपुर। जनपद के राठ एवं हमीरपुर बसअड्डो के नामकरण एवं विभिन्न क्षेत्रों को जाने वाली विशेष बसों के नामकरण के संबंध में एक आवश्यक बैठक जिलाधिकारी राहुल पांडेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संचालित हमीरपुर एवं राठ बस अड्डे के नामकरण एवं विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाली विशेष बसों के नामकरण के लिए स्थानीय लोगों से फीडबैक लिया जाए तथा मा जनप्रतिनिधियों से भी सुझाव प्राप्त कर नामकरण की प्रक्रिया को नियमानुसार आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं महान विभूतियों के नाम को प्राथमिकता दिया जाए। इस मौके पर एआरएम रोडवेज राठ राजेश सिंह, एआरटीओ प्रशासन आरपी सिंह तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

विद्युत प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ने कनेक्शन चेक किये

भरुआ सुमेरपुर। विद्युत प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ के निदेशक ने अधीक्षण अभियंता अशोक कैंप के साथ कस्बे में औचक निरीक्षण करके उपभोक्ताओं के कनेक्शन चेक किये। किसी भी उपभोक्ता के कनेक्शन में किसी तरह गड़बड़ी नहीं मिली। शुक्रवार को विद्युत प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ के निदेशक महेंद्र सिंह ने हमीरपुर के अधीक्षण अभियंता अशोक कैंप के साथ कस्बे के नगर पंचायत कार्यालय के आसपास एक दर्जन से ज्यादा उभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शनों का निरीक्षण किया। किसी भी कनेक्शन में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं मिली। इस मौके पर अवर अभियंता नरेंद्र पाल, महावीर सक्सेना, मीटर रीडर उमाकांत, जितेंद्र द्विवेदी, गिरजेश अनुरागी आदि विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

राजकीय महाविधालय के सीवर टैंक में मजदूर का बच्चा गिरा हुयी मौत

कालपी(जालौन)। नगर में निर्माणाधीन राजकीय महाविधालय में बने खुले टैंक में एक मजदूर का तीन वर्षीय बालक गिरने से मौत हो गई सूचना पर पहुची पुलिस ने जांच पडताल की

नगर के मोहल्ला राजघाट में निर्माणाधीन महाविधालय में सीवर टैंक का गड्ढा खोदा गया था जिसमें पानी भरा था शुक्रवार को तीन वर्षीय राजवीर पुत्र कांशीराम ओरई थाना सतई छतरपुर मध्य प्रदेश वही खेल रहा था खेलते खेलते उक्त बालक अचानक सीवर टैंक के गड्ढे मे गिर गया जब तक वहां काम कर रहे लोग दौडते तब तक वह बालक गड्ढें डूब गया हालांकि तत्काल उक्त बालक को गड्ढे से निकाला गया और उसे सामुदायिक स्वास्थ केंद्र ले जाया गया जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया जिस से उसके घर मातम छा गया वही बताया गया कि उक्त बालक का पिता निर्माणाधीन महाविधालय में मजदूरी करता था और परिवार सहित वही रहता था मौके पर पहुचे अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक मो अशरफने बताया कि एक बालक की। गड्ढे में गिरने से मौत हुई है लेकिन उसके घर वालों ने पोस्टमार्टम नही कराया है।

क्रय केन्द्रों से बाजार भाव महंगा खरीद केंद्रों से किसानों का मोहभंग हुआ

ए ग्रेड के दामों में करीब दुगुने का अंतर

भरुआ सुमेरपुर। धान के दामों में सरकारी और बाजार भाव में भारी अंतर होने के कारण किसान केंद्रो के बजाए बाजार का रूख कर रहे हैं। तमाम किसान पंजाब और हरियाणा से आ रहे व्यापारियों ने खेत से ही धान उठवा रहे हैं।

शासन ने कामन धान का रेट 2183 रुपये तथा ए ग्रेड का मूल्य 2203 रुपए प्रति कुंटल तय किया है। जबकि बाजार में कामन धान 2500 रुपए तथा एक ग्रेड का धान 4000 से 4500 रुपए के मध्य बिक रहा है। कामन धान में यहां किसान नरेन्द्रा, पंत 24, पंत 19, पंत 18 आदि प्रजाति का उत्पादन किया है। जबकि ए ग्रेड में किसान यहां पर सरबती, सोनम, सुंदरी, बासमती 1121, बासमती 1718, बासमती 1509 सहित अन्य प्रजातियों का उत्पादन करता है। बिदोखर के किसान परशुराम यादव, पाटनपुर के किसान छोटे पाल, टेढ़ा के किसान सौरभ सिंह, शिवमंगल सिंह, पचखुरा बुजुर्ग के किसान शिव सिंह, आसाराम यादव, पारा रैपुरा के बिहारी लाल प्रजापति, पंधरी के नवीन सिंह, बिरखेरा के जयराम यादव, बदनपुर के पंकज साहू, चंद्रपुरवा बुजुर्ग के राम बिहारी कुशवाहा, हरि कुशवाहा आदि ने बताया कि ज्यादातर किसानों के पास ए ग्रेड के धान का उत्पादन हुआ है। इसका बाजार भाव सरकारी भाव से करीब दुगुना है। इस वजह से किसान धान खरीद केंद्र नहीं जा रहा है। वहीं कुछ व्यापारी पंजाब, हरियाणा से यहां आकर खेतों में पहुंचकर ही धान खरीद कर रहे हैं। इससे किसानों का भाड़ा समय आदि भी बच रहा है। साथ वाजिब दाम भी प्राप्त हो रहे हैं। कामन धान भी सरकारी दर से बाजार में महंगा जा रहा है इससे किसानों का सरकारी केंद्रों से मोहभंग है और तीन दिन गुजर जाने के बाद बोहनी नहीं हो रही है। केंद्र प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि शुक्रवार को नंदेहरा के किसानों ने धान लेकर आने के लिए बोला था लेकिन शाम तक नहीं आए हैं।

छुरी के साथ एक को पुलिस ने दबोचा

जालौन। किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े युवक को कोतवाली पुलिस ने सारंगपुर मोड़ के पास से पकड़ा। पुलिस ने युवक के पास से छुरी बरामद की। कोतवाली प्रभारी विमलेश कुमार को सूचना मिली कि सारंगपुर मोड़ के पास एक संदिग्ध युवक किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही उन्होंने एसआई रामेशचंद्र को मौके पर भेजा। मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही युवक ने भागने की प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर शिवपूजन निवासी मोहल्ला चौधरयाना को पकड़ा लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने युवक के पास से छुरी बरामद की। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है।

20 क्वाटर देशी शराब के साथ एक को पुलिस ने पकड़ा

जालौन। अवैध रूप बिक्री करने के लिए शराब लेकर जा रहे युवक को पुलिस ने उरगांव से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक के पास से 20 क्वार्टर देशी शराब के बरामद हुए है। एसआई विपिन कुमार ने ग्राम उरगांव से पहाड़पुरा अपने घर जा रहे युवक करन सिंह निवासी पहाड़पुरा को उरगांव के पास से पकड़ लिया। जामा तलाशी के दौरान युवक के पास से पुलिस ने थैले में 20 क्वार्टर देशी शराब के बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ्आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रंजिशन घर में आकर गाली गलौच की रोकने पर पति को जान से मारने की धमकी दी

जालौन। रंजिश के चलते मोहल्ले के लोगों द्वारा घर पर आकर गाली, गलौज करने एवं मना करने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने की शिकायत पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रापटगंज निवासी किरन देवी ने पुलिस को बताया कि उनके मोहल्ले के ही कुछ लोग उसके परिवार से रंजिश मानते हैं। रंजिश के चलते वह अक्सर विवाद करते रहते हैं। पीड़िता का आरोप है कि सुबह मोहल्ले के ही बसंते आदि उसके घर आ धमके और गाली, गलौज करने लगे। काफी देर तक गाली, गलौज करने करने के बाद भी जब वह नहीं माने तो उसने उन्हें गाली देने से मना किया। जिससे नाराज होकर वह धमकाने लगे। इतना ही नहीं पति को घर से बाहर मिलने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दरवाजे पर बंधी चार भैंसों को अज्ञात चोरों ने चोरी की

जालौन। घर के दरवाजे पर बंधी चार भैंसों को कुछ लोग चोरी कर ले गए। भैंस चोरी होने से पशुपालकों को करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित पशुपालकों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेरपुरा निवासी राघवेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि बीती 17 अक्टूबर की रात उनके घर के दरवाजे पर उसकी तीन भैंसे बंधी थीं। वहीं पास में उसके चाचा के पुत्र रगूदे की भी भैंस बंधी थी। रात में घर के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। तभी गांव के ही कुछ लोग उनकी चारों भैंसों को खोनकर पिकअप में लादकर चोरी कर ले गए। गांव के कुछ लोगों ने पांच लोगों को भैंसों को पिकअप में लादते हुए देखा है। भैंस चोरी होने से उन्हें लगभग तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित पशु पालक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है।

5 नवंबर से राशन कार्ड धारक राशन प्राप्त करें

जालौन। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन कार्ड धारकों को मिलने वाले खाद्यान्न का वितरण पांच नवंबर से शुरू हो जाएगा जो 20 नवंबर तक जारी रहेगा। राशन कार्ड धारक इस दौरान अपना खाद्यान्न प्राप्त कर लें। पूर्ति निरीक्षक अजीत कुमार ने बताया कि नगर व ग्रामीण क्षेत्र में संचालित सरकारी खाद्यान्न की दुकानों पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न का वितरण पांच नवंबर से शुरू होने जा रहा है। राशनकार्ड धारक दीपावली से पूर्व अपना खाद्यान्न ले सकते हैं। वितरण व्यवस्था के तहत यह वितरण 20 नवंबर तक किया जाएगा। अन्त्योदय राशन कार्ड धारक को 20 किग्रा चावल और 14 किग्रा गेहूं प्रति कार्ड दिया जाएगा। पात्र गृहस्थी के राशन कार्ड धारक को दो किग्रा प्रति यूनिट गेंहू और तीन किग्रा प्रति यूनिट चावल निशुल्क दिया जाएगा। संपूर्ण वितरण ईपोस मशीन के माध्यम से किया जाएगा। यह सुविधा पोर्टेबिलिटी पर भी उपलब्ध रहेगी। जिन राशन कार्ड धारकों के फिंगर नहीं आ रहे हैं। वह खाद्यान्न वितरण के अंतिम दिन 20 नवंबर को ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से राशन प्राप्त कर सकते हैं। अगर किसी कार्ड धारक को कोई दिक्कत हो तो स्थानीय पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में समस्या बता सकते हैं, उसका उचित समाधान किया जाएगा।

उपभोक्ता ऋण जमा नहीं कर रहे, तहसीलदार ने आमीनों को वसूली के निर्देश दिये

जालौन। बैंक से ऋण लेने के बाद उपभोक्ता ऋण वापस नहीं कर रहे हैं। बैंक द्वारा आरसी जारी होने के बाद भी तहसील कर्मचारी वसूली नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते इंडियन बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने एसडीएम व तहसीलदार से भेंट कर वसूली के लिए अमीनों को निर्देशित किए जाने की मांग की है। इंडियन बैंक मंडी शाखा के प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह यादव, मुख्य शाखा के सहायक प्रबंधक संतोष कुमार, बाबई शाखा प्रबंधक राजीव शर्मा, हदरूख विशाल कुमार, छिरिया सलेमपुर आशीष गुप्ता ने शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम सुरेश कुमार व तहसीलदार एसके मिश्रा से भेंटकर बताया कि पांच शाखाओं के लगभग दो से ढाई हजार बकाएदार ऐसे हैं। जिन्होंने बैंकों से ऋण लिया है। लेकिन निर्धारित सीमा बीतने और कई बार नोटिस देने के बाद भी वह बैंकों से लिया गया ऋण वापस नहीं कर रहे हैं। पांचों शाखाओं का लगभग तीस करोड़ रुपये बकाया है। ऋण चुकता न करने के चलते बैंकों द्वारा आरसी भी जारी कर दी गई है। आरसी जारी होने के बाद भी वसूली नहीं हो रही है। तहसील कर्मचारी वसूली पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसके चलते बैंकों का बकाया जमा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने एसडीएम व तहसीलदार से मांग करते हुए कहा कि अमीनों को वसूली के लिए निर्देशित किया जाए ताकि ऋण वसूली में तेजी आ सके। बैंकों के शाखा प्रबंधक की मांग पर एसडीएम ने कहा कि जो भी बकाएदार हैं उनकी सूची उपलब्ध कराएं साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अमीनों की टीम गठित कर उन्हें वसूली के लिए निर्देशित किया जाएगा।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर गलियारा के जिला प्रशासन व लखनऊ की टीम ने भमि का जायजा लिया

उरई(जालौन)। कस्बा डकोर में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर गलियारा बनाया जाना है। जिसके लिए शासन द्वारा किसानों की जमीन भी चिन्हित की गई है। शुक्रवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ लखनऊ की टीम ने डकोर के आस पास पड़ने वाली जमीन का जायजा लिया और चर्चा की। देश के ड्रीम प्रोजेक्ट बुंदेलखंड एक्सप्रेस के पास युवाओं को रोजगार के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर गलियारा स्थापना की जानी है। इसके लिए उरई तहसील के डकोर, कुसमिलिया और टिमरो में उद्योग इकाइयां स्थापित करने के लिए 100 हेक्टेयर जमीन शासन द्वारा चिन्हित की गई थी। जिसमें शासन की मनसानुरूप इकाई स्थापित कराने के लिए जमीन अधिग्रहण करने में गति देखी जा रही है। यूपीडा के वरिष्ठ भू-अर्जन अधिकारी सियाराम मौर्य, महाप्रबंधक विद्युत अंशुमान, केपीएमजी परामर्श इंदल भट्टाचार्य एवं एडीएम नमामि गंगे विशाल यादव ने इंडस्ट्रियल कॉरिडोर गलिहारा के लिए चिन्हित किसानों की जमीन का जायजा लेकर चर्चा की। जिसमें टीम द्वारा यह देखा गया। कि इंडस्ट्रियल एरिया कॉरिडोर के लिए बिजली सप्लाई, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे की दूरी कितनी है। इसे लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर तहसीलदार कुवार भूपेंद्र सिंह, लेखपाल पुष्पेंद्र शर्मा, राजकुमार श्रीवास्तव, रौनक शर्मा आदि मौजूद थे।

सम्पादकीय

मणिपुर में शांति बहाल हो व पुनर्वास सुनिश्चित हो

मणिपुर में हिंसा और उसके बाद उपजी स्थिति चिंतनीय है। दो समुदायों के बीच हिंसा व उपद्रव में अब तक 60 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लगभग 35 हजार लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। सुरक्षा बलों ने बेशक हिंसा पर काबू पाने में काफी हद तक सफलता पाई है, लेकिन ऐसी स्थिति उत्पन्न होने के पीछे के कारणों के लिए जिम्मेदार लोगों को कटघरे में लाया जाना चाहिए। स्थानीय राजनीति के चलते नागरिकों के जानमाल को संकट में धकेलना प्रोग्रेसिव पॉलिटिक्स नहीं कही जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर हिंसा के चलते विस्थापित हुए लोगों पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि यह मानवीय संकट है, विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। राहत कैंपों में दवाओं और खाने-पीने जैसी जरूरी चीजों का इंतजाम हो, साथ ही राज्य में धार्मिक स्थलों की हिफाजत के लिए भी कदम उठाए जाएं। सुप्रीम कोर्ट की चिंता बताती है कि मणिपुर में हालात ठीक नहीं हैं। मणिपुर में 3 मई को एक रैली के दौरान मैतेई और नगा-कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई थी। पिछले दो दिनों से वहां हिंसा थमी हुई है, लेकिन तनाव बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में मणिपुर ट्राइबल फोरम और हिल एरिया कमेटी ने याचिकाएं दाखिल की हैं। इनमें हिंसा की एसआईटी जांच और मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किए जाने के हाईकोर्ट के आदेश का विरोध किया गया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। अगली सुनवाई 17 मई को होगी। अभी मणिपुर में शांति की जरूरत है और विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास व उनकी मदद की आवश्यकता है। केंद्र व राज्य सरकार को चाहिए कि वहां शांति बहाली को प्राथमिकता देते हुए सभी वो कार्य करें जो कानूनी रूप से आवश्यक हो। मैतेई और नगा-कुकी समुदायों के बीच संघर्ष राज्य ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वोत्तर की शांति के लिए अच्छा नहीं है। पूर्वोत्तर पहले से ही उग्रवाद प्रभावित रहा है, वहां जरा सी चिंगारी से भारत विरोधी ताकतों को खुराक मिल जाएगी। चीन की हमेशा कोशिश रही है कि पूर्वोत्तर में सीमाओं पर अशांति रहे, ताकि भारत परेशान रहे। पूर्वोत्तर में उग्रवाद के पीछे किन विदेशी ताकतों के हाथ रहे हैं, यह जगजाहिर है। ऐसे में किसी भी स्थानीय राजनीति के चलते पूर्वोत्तर के किसी भी राज्य में समुदायों के बीच हिंसा व उपद्रव भविष्य के लिए नासूर साबित हो सकते हैं। चूंकि पूर्वोत्तर आदिवासी क्षेत्र हैं, जिनमें सैकड़ों मूल के आदिवासी रहते हैं, जिन्हें जोड़कर रखना जरूरी है। मणिपुर सरकार ने हिंसा भड़काने वाले व्यक्तियों/समूहों और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करने वाले सरकारी सेवकों पर जिम्मेदारी तय करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच कराने की घोषणा की है, इससे कम से कम जिम्मेदारों को कटघरे में खड़ा किया जा सकेगा। हालांकि मणिपुर में हिंसा मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा मिलने के बाद से शुरू हुई है। मैतेई समुदाय के लोगों का तर्क है कि 1949 में भारतीय संघ में विलय से पूर्व उन्हें रियासतकाल में जनजाति का दर्जा प्राप्त था। इस मसले को कानून के आईने से देखने की जरूरत है, साथ ही संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति को हवा नहीं दी जानी चाहिए। राज्य प्रशासन को मणिपुर में शांति व सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और आदिवासियों के विशेषाधिकार की रक्षा भी होनी चाहिए।

●●●●●●●

हर्षवर्धन पाण्डे

कर्नाटक का विधानसभा चुनाव सभी दलों के लिए मायने रखता है। कांग्रेस अगर यहाँ वापस आती है तो वो विपक्षी एकता की धुरी बन सकती है। जद(एस) की सीटों की संख्या में सुधार का मतलब होगा चुनाव के बाद कोई गठबंधन बना तो उस मौके को वह भुनाने में देर नहीं करेगी। भाजपा यदि बहुमत के साथ सत्ता में आती है तो ये नया इतिहास बन जायेगा। कर्नाटक जीत के बाद दक्षिण के अन्य चार राज्यों में भाजपा की संभावनाओं को नए पंख लगेंगे। कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा के सामने सीधे कांग्रेस होगी। मिशन 2024 में भाजपा उत्तर में होने वाले नुकसान की भरपाई दक्षिण से कर सकती है।

फोन हैक की राजनीति कभी भी सत्ताधारी दल के लिए फायदे का सौदा नहीं रही है

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लगातार आक्रामक होने के मध्य में देश के कुछ प्रमुख विपक्षी नेताओं के आईफोन पर निगरानी किये जाने का मामला एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर रहा है। इसे सरकार प्रायोजित बताकर सरकार को घेरने की कोशिशें भी एकाएक उग्र हो गयी है। एप्पल कम्पनी ने इन फोन धारकों को ईमेल सन्देश भेज कर लिखा है कि आपके फोन को किसी ष्मालवेयर वायरसष् से सरकार द्वारा सर्वेक्षण में रखा जा रहा है जिसके माध्यम से आपकी सारी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। मगर इसके साथ ही सरकार ने ऐसी किसी कार्रवाई से इन्कार करते हुए पूरे मामले की सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय की संसदीय समिति से जांच कराने की घोषणा कर दी है और कहा है कि ऐसा ही एक ई.मेल सन्देश वाणिज्य मन्त्री पीयूष गोयल को भी आया है। फोनों पर निगरानी का आरोप सरकार के लिए भी गंभीर चिन्ता का विषय है क्योंकि यह ऐसा मामला है जिसमें सत्ता से बेदखल होने जैसी स्थितियां बनती हैं। जब तक मामले की पूरी जांच नहीं हो जातीए किसी को भी दोषी ठहराना जल्दीबाजी होगी। पक्ष.विपक्षी दल चुनावी माहौल को धुंधलाने या विवादास्पद बनाने की बजाय उसे स्वस्थ बनाने में सहयोग करेंए यह स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी की स्वतंत्रता का हनन लोकतंत्र की पवित्रता को ही समाप्त कर देती है।

निश्चित ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की ओर से विपक्षी नेताओं की निजता भंग करने का कोई भी मामला सामने आता हैए तो स्वाभाविक ही सरकार को घेरा जाना चाहिए एवं जवाब मांगा जाना चाहिए। लेकिन बिना बुनियाद के ऐसे विवाद खड़े करना उचित नहीं है। अच्छी बात इस मामले में यह है कि सरकार ने इन आरोपों को पूरी गंभीरता से लिया है और तत्परता से निर्णय लेते हुए न केवल पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं बल्कि आईफोन कंपनी से भी जांच में शामिल होने को कहा गया है। सभी पक्षों के लिए जरूरी है कि निष्कर्ष निकालने की जल्दबाजी करने के बजाय मामले की बारीक और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित करने में सहयोग करें। यह न केवल विपक्षी दलों के नेताओं की निजता से जुड़ा मामला है बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं प्रतिबद्धता का भी मामला है।हालांकि यह साफ़करना भी जरूरी है कि मौजूदा मामले में अभी बात सिर्फ संदेह की है। आईफोन पर ऐपल की ओर से भेजे गए ये मेसेज ऑटो जेनेरेटेड थेए जिनकी प्रामाणिकता को लेकर कंपनी भी आश्वस्त नहीं है। उसका कहना है कि इनमें से कुछ मेसेज फॉल्स अलार्म के भी हो सकते हैं। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं की आशंकाएं निराधार हैं या आधारभूत हैंए यह तो जांच के निष्कर्षों से ही पता लगेगा। मेसेज विपक्षी दलों के नेताओं और कुछ सत्ता विरोधी माने जाने वाले पत्रकारों के ही फोन पर आने का आरोप निराधार है क्योंकि ऐसा ही मेसेज एक केन्द्रीय मंत्री को भी मिला है। सूचना टैक्नोलॉजी क्रान्ति होने के बाद चीजें काफी बदल चुकी हैं अतः आरोपों का स्वरूप भी बदल चुका है। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी देशवासियों ने ष्पेगाससष् वायरस का पूरा कर्मकांड देखा है जिसकी जांच सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित एक विशेष समिति ने की थी। इस मामले को लेकर दो साल पहले संसद में भी जमकर हंगामा हुआ था। लेकिन उसमें आरोप सिद्ध नहीं हो पाये थे। ऐसे में जब विपक्षी नेताओं के फोन की हैकिंग का यह नया आरोप लगा है तो उसे पूरी गंभीरता से लेने की जरूरत है। इस मामले को लेकर आरोप.प्रत्यारोप से बचते हुए सत्य के उजागर होने तक इंजतार करना चाहिए। सरकार की तरफ़से यह भी कहा गया है कि वह पूरे प्रकरण की जांच में एप्पल कम्पनी के उच्च पदाधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। इस मामले में मूल सवाल निजी स्वतन्त्रता का उठता है जिसे सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों का मूल अधिकार मान चुका है। लोकतांत्रिक प्रणाली में सभी को लिखनेए बोलनेए सोचने और करने की स्वतंत्रता होती है।आईटी मंत्रालय ने कहा है कि केंद्रीय ऑनलाइन सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी.इन ;भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमद्ध आईफोन ष्हैकिंगष् प्रयासों के विपक्ष के दावे की जांच करेगी और वही हैकिंग और फ़िशिंग जैसे साइबर सुरक्षा खतरों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय एजेंसी है। महुआ मोइत्राए प्रियंका चतुर्वेदीए राघव चड्ढाए शशि थरूरए पवन खेड़ा और सीताराम येचुरी सहित कई विपक्षी नेताओं ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें एप्पल अलर्ट मिला है जिसमें उनके आईफोन में राज्य प्रायोजित हैकिंग की चेतावनी दी गई है। आईफोन निर्माता एप्पल ने मंगलवार को कहा था कि वह विपक्षी दलों के कुछ सांसदों को भेजे गए चेतावनी संदेश को किसी विशिष्ट सरकार.प्रायोजित सेंधमारों से नहीं जोड़ती और वह इस बारे में जानकारी नहीं दे सकती है कि ऐसी चेतावनियों का कारण क्या है। कारणों का पता तो विस्तृत जांच के बाद ही सामने आयेगाए तब तक पक्ष एवं विपक्ष को शांत रहते हुए विवेक का परिचय देना चाहिए। क्योंकि यह भारतए भारतीय लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के व्यवस्थित संचालन से जुड़ा मामला है। ताजा मामला इसलिये भी बहुत गंभीर है क्योंकि ऐसे मामलों में सत्ताएं बदलती देखी गयी हैं। इसलिये ऐसे मामलों एवं आरोपों में गंभीरता बरतना जरूरी है।इस तरह के राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों के निजता भंग के कम उदाहरण ही भारत में देखने को मिले हैं लेकिन जब भी किसी सरकार पर इस प्रकार के आरोप लगे तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी है। सबसे बड़ा उदाहरण 80 के दशक का है जब कर्नाटक की वीरप्पा मोइली सरकार ष्टेप कांडष् में फंस गई थी तो उसे सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। डॉण् मनमोहन सिंह सरकार पर भी फोन टेप करने के आरोप लगे थे। पूरी दुनिया का सबसे सशक्त और उदार लोकतन्त्र माने जाने वाले अमेरिका के वाटर गेट कांड में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने अपनी प्रतिद्वन्द्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय पर जासूसी यन्त्र लगा कर उसकी गतिविधियों को जानने की कोशिश की थी। निक्सन भले ही इस मामले पर लम्बी टालमटोल करते रहे हो मगर भारत सरकार ने तो एप्पल फोन कांड का भंडाफोड़ होते ही इसकी जांच कराने की घोषणा कर दूध का दूधए पानी का पानी करने की अपनी संकल्पबद्धता दर्शा दी है। इस हकीकत को भी हमें ध्यान में रखकर ही इस मामले में और टीका.टिप्पणी करनी होगी।भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवितए निष्पक्ष एवं आदर्श तंत्र हैए जिसमें सबको समान रूप से अपनी.अपनी मान्यताओं के अनुसार चलनेए गतिविधियों को संचालित करने की पूरी स्वतंत्रता है। लोकतंत्र की नींव ही निजता की सुरक्षा करने के सिद्धान्तों पर टिकी हैए इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक संविधान के दायरे में स्वयंभू होता है। अतः इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं की चिन्ता वाजिब मानी जा सकती है मगर इसके साथ ही सरकार की तरफ़से तत्परता से व्यक्त इस मामले में संलिप्त न होने की साफ़गोई बयान को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यदि सरकार ने इस मामले में तुरन्त कार्रवाई की है तो उसकी नीयत पर भी शक करने की कोई वजह दृष्टिगोचर नहीं होती। सरकार किसी की भी निजता को भंग करने का आरोप स्वयं कर लगता हुआ देख बिन बुलाये संकट को कैसे आमंत्रित कर सकती हैघ् क्योंकि इस तरह का कोई भी काम पूर्ण रूप से असंवैधानिक व गैर कानूनी होती है। ऐसी अराजकताए अव्यवस्था एवं एकाधिपत्य लोकतंत्र का ही विलुप्त कर सकता है।

.ललित गर्ग

विचार

प्रमोद भार्गव

कानूनी असमानताओं के चलते उपजी हिंसा के जिम्मेदार कौन

पूर्वोत्तर के सातों राज्यों में अकसर हिंसा की वजह बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ, बिगड़ता जनसंख्यात्मक घनत्व, संसाधनों पर अतिक्रमण और अर्द्धसैनिक बलों का विरोध रही हैं। लेकिन यह अपवाद है कि कानूनी असमानता के चलते हिंसा का ऐसा तांडव रच गया कि 54 लोग काल के गाल में समा गए और 150 से ज्यादा घायल हैं। सेना और अर्द्धसैनिक बलों की इस घटनाक्रम में दोहरी सफलता देखने में आई। एक तो उन्होंने मणिपुर में अचानक फैली आग को नियंत्रित किया, दूसरे 23,000 से ज्यादा लोगों को दंगा स्थलों से विस्थापित कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। अपनी नाकामी पर पर्दा डालते हुए मणिपुर सरकार कह रही है कि लोग गलतफहमी का शिकार होकर हिंसा में लिप्त हो गए, लेकिन सवाल उठता है कि संदेह उत्पन्न क्यों हुआ और हो भी गया था तो उसको सुलझाने के प्रभावी प्रयत्न क्यों नहीं हुए। दरअसल मणिपुर उच्च न्यायालय ने इसी माह एक आदेश जारी किया कि सरकार मैतेई आदिवासी समुदाय के लोगों को आदिवासी समुदाय की श्रेणी में षामिल करने पर विचार करे। लेकिन सरकार यदि यह समझ लेती कि ऐसे मुद्दे सरकारी नौकरी और सुविधाओं का लाभ लेने से जुड़े है, इसलिए चिंगारी सुलगते ही विस्फोट की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। गोया, मणिपुर की यह ताजा हिंसा इसी नसमझी का दुश्परिणाम है।

फरवरी 2023 में राज्य सरकार ने पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की शुरूआत कर दी थी। इन क्षेत्रों की नगा और कूकी समुदाय की 33 जातियां, जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित है। अतएव इनके लिए चिन्हित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के लोग काबिज नहीं हो सकते हैं। विडंबना देखिए जिन लोगों को प्रवासी बताकर विस्थापन का सिलसिला शुरू किया गया उन्हें इस इलाके के मूल निवासी कूकी समुदाय ने अपना बताया। किंतु सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान न देते हुए कूकियों की बेदखली का सिलसिला तो बनाए ही रखा, साथ ही मैतेई समुदाय को जब जनजाति का दर्जा मिल गया, तब उन्होंने बलपूर्वक नगा और कूकी समुदाय के लोगों को आरक्षित भूखंडों पर भी काबिज होने से नहीं रोका। विवाद की असली जड़ यही विरोधाभास रहा। मैतेई समुदाय इस इलाके में शैक्षिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सक्षम वर्ग है। संख्याबल में भी वे अधिक हैं। यही नहीं मणिपुर की विधानसभा की 60 में से 40 विधानसभा क्षेत्रों में वही काबिज है, जबकि पहाड़ी इलाकों के 90 प्रतिशत दुर्गम भू-भाग में रहने वाली नगा और कूकी 33 जनजातियों के केवल 20 विधायक ही हैं। ज्यादातर मैतेई हिंदू होने के साथ वैष्णव संप्रदाय से जुड़े हैं। इनमें से कुछ मतांतरित मुसलमान भी है। जबकि नगा और कूकियों में से 90 फीसदी धर्मांतरित ईसाई हैं। इस लिहाज से यह विवाद आसानी से धार्मिक रंग में बदलकर हिंसक हो गया। इसे धार्मिक रंग देने में ड्रग माफिया ने भी आग में घी डालने का काम किया। समूचे पूर्वोत्तर भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यात नशे का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। यहां प्रत्येक माह हेरोइन बड़ी मात्रा में पकड़ी जाती है। चीन और बांग्लादेश ने नेपाल के रास्ते यहां के लोगों को पहले तो नशे का लती बनाया और फिर इसे धन कमाने के बड़े कारोबार में तब्दील कर दिया। नतीजतन मणिपुर में अवैध रूप से अफीम की फसल भी उगाई जाने लगी। पूर्व की सरकारों ने इसे अवैध कमाई का जरिया बना लिया। अलबत्ता अब मणिपुर के मुख्यमंत्री नोंगथोंबम बीरेन सिंह ने इस ड्रग माफिया के विरुद्ध बड़ी लड़ाई छेड़कर, इन्हें कारोबार करना मुश्किल कर दिया है। लिहाजा ड्रग माफिया इस विवाद को दंगे का रूप देकर सरकार को कमजोर करना चाहता है।

ऐसे हालातों के निर्माण की प्रक्रिया तभी शुरू हो गई थी, जब विधानसभा से 2015 में तीन नए विधेयक पारित हुए थे। तब भी हिंसा के खतरनाक हालात निर्मित हुए थे। दरअसल इन कानूनों को स्थानीय जनजातीय समुदायों ने व्यापक हितों के प्रतिकूल मान लिया था। एक साथ लाए गए तीन विधेयकों से खासतौर से आदिवासी समूहों में ये आशंकाएं गहरी हुई कि बाहरी लोगों को पर्वताचंलों का स्थाई निवासी बनाए जाने के रास्ते इन कानूनों के जरिए खोले जा रहे हैं। इसीलिए यह मामले में बाहरी बनाम मूल निवासियों की जंग में उलझकर विस्फोटक हो गया है। स्थानीय समुदायों में पनपे इस असुरक्षा-बोध पर सद्भाव और विश्वास की मलहम लगाने की जरूरत है। उत्तर-पूर्व के जिन सात राज्यों को सात बहनों के नाम से जाना जाता है, वे पश्चिम बंगाल और असम के विभाजित रूप हैं। लिहाजा बृहत्तर असम का 'असम' नाम यूं ही नहीं पड़ा। 'असम' का सामान्य सा अर्थ है, जो 'सम' न हो।

अपनी प्रकृति के रोम-रोम को जानना चाहिए

संकलित

दर्शन

उसके लिए चाहिए प्रवृत्ति मार्ग। क्योंकि बोला है मुरली में-राजयोग प्रवृत्ति में रहकर ही सिखाया जाता है। वह है- साकार निराकार की प्रवृत्ति है। हर बीज अपनी ही मूल प्रकृति को जानता है तो उसी के आधार पर उसका कैसा वृक्ष निकलेगा। जो उसने ज्ञान के सार को समझा, सत्व बनाया, वह अब अपने लिए अप्लाई करेगा। राज की बात यह है कि जो उसने त्रिमूर्ति और झाड़ के कांसेप्ट को समझा था, वह अपने बीज के अंदर कैसे कार्य करता है? यह राज है- कि हमें अपने अंदर स्थापना पालना विनाश कैसे कैसे करना है, जिससे नई दुनिया क्रिएट हो सके। यह राज पता चलने के बाद निराकारी ज्ञान का एक स्वरूप तैयार हो जाता है मन बुद्धि के अंदर। वह है सतगुरु का रूप। बुद्धि रूपी पात्र की पात्रता के आधार पर निराकारी ज्ञान का सार(सत्य) मन के लेबल पर साकार रूप पकड़ लेता है। सतगुरु साकार होता है। फिर वह सत्य ही गुरु बनकर गाइड करता है। टीचर के रूप से सच्ची मत मिलती है,अर्थात बुद्धि मिलती है। जिससे सच्ची गति(चाल)होती है, मन रूपी प्रकृति की। अर्थात अधोमुखी रूप उर्ध्वमुखी बन जाता है,ऊँचे उठ जाता है। माता गुरु को गुरु बनाना पड़े। सतगुरु परमब्रह्मा बनती है,जिसे शास्त्रों में बोल दिया- हिरण्यगर्भ माना सोने का गर्भ तो यह निराकार से साकार की यात्रा है। पहले है निराकारी ज्ञान(बाप), बीच में है साकार निराकार का मेल माना सार रूपी सत्व (शिवबाबा),फिर है उस सत्व का साकार स्वरूप अर्थात कृष्ण।

बड़े लोगों के सामने हमेशा रहें विनम्र

संकलित

प्रेरणा

श्रीराम वनवास के दिनों में कई ऋषि-मुनियों से मिले थे। श्रीराम ऋषियों के आश्रम जाते और उनसे उपदेश सुनते थे। उस समय एक ऋषि थे सुतीक्ष्ण मुनि। सुतीक्ष्ण अगस्त्य मुनि के शिष्य थे। एक दिन सुतीक्ष्ण मुनि कि श्रीराम उनके आश्रम की ओर आ रहे हैं। ये सुनते ही सुतीक्ष्ण का उत्साह बहुत बढ़ गया। वे प्रतीक्षा करने लगे कि श्रीराम के दर्शन कब होंगे। वे राम से बहुत प्रेम करते थे। श्रीराम के लिए उनके मन में अटूट भक्ति थी। सुतीक्ष्ण मुनि ने सोचा कि मैं खुद आगे बढ़कर श्रीराम को रास्ते में रोक लेता हूं और अपना परिचय दे दूं। थोड़ी देर बाद सुतीक्ष्ण ने फिर सोचा कि मैंने तो राम की इतनी ज्यादा भक्ति भी नहीं की है और न ही मैं इस योग्य हूं कि राम से सीधे जाकर मिल लूं। राम तो बहुत बड़े इंसान हैं। क्या वे मुझे स्वीकार करेंगे? ऐसे विचार सुतीक्ष्ण के मन में चल रहे थे। उन्हें कुछ समझ ही नहीं आ रहा था कि वे श्रीराम के सामने कैसे जाएंगे। सुतीक्ष्ण जी श्रीराम से मिलने की खुशी में नाच रहे थे। एक पेड़ के पास श्रीराम ने सुतीक्ष्ण मुनि को नाचते हुए देखा तो वे समझ गए कि ये मेरे लिए आनंद में झूम रहे हैं, लेकिन संकोच भी कर रहे हैं कि मुझसे कैसे मिलें? सुतीक्ष्ण के आनंद को देखकर राम ने विचार किया कि मुझे इनसे मिलने जाना चाहिए। श्रीराम तुरंत ही सुतीक्ष्ण मुनि के सामने पहुंच गए। राम को देखकर सुतीक्ष्ण अपने होश खो बैठे और बेहोश हो गए। श्रीराम ने उनकी बेहोशी दूर की। जब सुतीक्ष्ण को होश आया तो वे रोने लगे और बोले कि आप इतने बड़े व्यक्ति हैं, आप खुद मेरे पास आए हैं।

सटाका

आज की पाती

भारी बारिश से प्रदेशभर में नुकसान

फसलों पर एक बार फिर से बारिश का खतरा मंडराने लगा है। अप्रैल में जहां एक ओर फसलों की बर्बादी हो गई है, वहीं कभी सर्दी, कभी गर्मी से लोग परेशान हो गए हैं। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश ने तबाही मचा दी है। अभी भी मौसम के मिजाज का पता लगाना मुश्किल है। अचानक हुई बारिश से सब्जियों की फसल बर्बाद हो गई है। आने वाले दिनों में सब्जियों के लिए अच्छी खासी कीमत चुकाने पड़ेगी। सरकार को जल्द प्रभावित लोगों को नुकसान का अनुमान लगाकर मुआवजा देना चाहिए ताकि उनके जख्मों पर मरहम लगे।

– रवि किरण शर्मा, बिलासपुर

ट्रेंड

जनभावना के विरुद्ध

सोनिया गांधी जी, कर्नाटक की संप्रभुता का हवाला देकर आपने भारत के टुकड़े करने की कांग्रेस की साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। लोग यह नहीं भूले हैं कि कैसे कांग्रेस जनभावना के विरुद्ध काम किया।

-अनुराग ठाकुर, केंद्रीय मंत्री

सर्वोत्कृष्ट अनुभव

बेंगलुरु में सर्वोत्कृष्ट अनुभव का आनंद लिया। कर्नाटक की कुछ अविश्वसनीय महिलाओं के साथ बीएमटीसी बस की सवारी की और उनकी जरूरतों और अनुभवों को जाना। हम उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

करुणा के लाभ

कारण और विश्लेषण हमें करुणा के लाभों को समझने में मदद कर सकते हैं। हम सीखते हैं कि इससे चित्त को शांति प्राप्त होती है, जो आंतरिक शक्ति की ओर ले जाती है। इसलिए भय और संदेह कम हो जाते हैं। इससे आत्मविश्वास का भाव पैदा होता है।

-दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

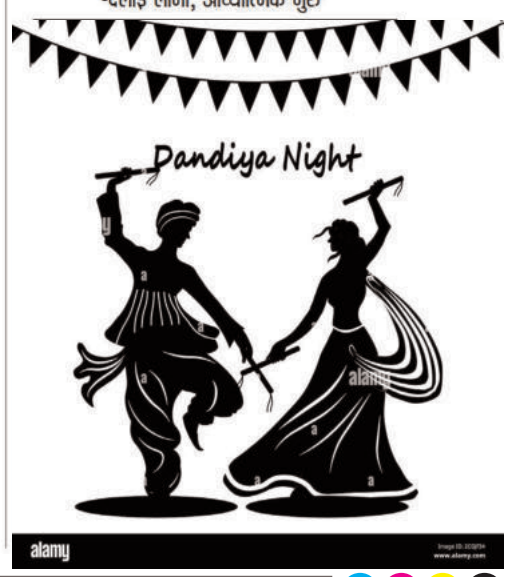

करंट अफेयर

चीन ने पहले पाक को किया बर्बाद, अब अफगान पर नजर

तालिबान चीन और पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का विस्तार करने के लिए सहमत हो गया है। इससे अफगानिस्तान में अरबों रुपए का निवेश होने की संभावना है। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग और उनके पाकिस्तानी समकक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस्लामाबाद में मुलाकात की और 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को तालिबान शासित राष्ट्र तक ले जाने सहित अफगानिस्तान की पुनर्निर्माण प्रक्रिया पर मिलकर काम करने के लिए हामी भरी। इसके बाद माना जा रहा है कि कहीं चीन ने जिस तरह से पाकिस्तान को बर्बाद किया है, उसी तरह कहीं अब अफगानिस्तान को भी न कर दे।

चीन ने डेवलपमेंट के नाम पर पाकिस्तान को काफी कर्जा दिया हुआ है और कई प्रोजेक्ट्स भी चला रहा है, जिससे पाकिस्तान की आर्थिक हालत दयनीय हो गई है। चीन की इस तरह की चालबाजी से पूरी दुनिया अवगत है और ज्यादातर देश उससे परेशान भी हैं। 'ब्लूमबर्ग' के अनुसार, चीनी और पाकिस्तानी अधिकारियों ने लगभग एक दशक पहले शुरू हुई राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रमुख बेल्ट एंड रोड पहल के तहत निर्मित परियोजना को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर चर्चा की थी।

ऑफ बीट

इलेक्ट्रिक व ऑटोमैटिक कारें मोशन सिकनेस बढ़ा रही

सामान्यत: लगभग 25-30 प्रतिशत लोग नियमित रूप से मोशन सिकनेस से पीड़ित होते हैं। इस खराब समझी जाने वाली बीमारी के लक्षणों में मतली,

पसीना, पीलापन, हाइपोथर्मिया, सिरदर्द और उल्टी शामिल हैं। बीमारी से कम प्रभावित रोगियों को भी उनींदापन, उदासीनता या संज्ञानात्मक क्षमताओं में कमी का अनुभव हो सकता है। अनुमान है कि 60 से 70 प्रतिशत लोग यात्रा करते समय कभी न कभी इससे प्रभावित होते हैं। मोशन सिकनेस कारों में सबसे अधिक अनुभव किया जाता है, इसलिए कई बार इसके लिए कार सिकनेस शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है। अकसर चालकों की बजाय, कार में सवार यात्री बीमार महसूस करते हैं क्योंकि वे रास्ते के घुमाव और उतार चढ़ाव का अनुमान नहीं लगा पाते और उनके लिए यह अप्रत्याशित रूप से होता है। आप सोच सकते हैं कि, ऑटोमोबाइल विकास की एक सदी से भी अधिक समय में, कार सिकनेस के इस मुद्दे को हल किया जाना चाहिए था। लेकिन मामला कुछ और ही है। इस समस्या की बजाय वाहनों में तकनीकी कायापलट पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, विद्युतीकरण, डिजिटलीकरण और वाहनों के स्वचालन जैसे विकास लाभ के साथ ही कुछ समस्याएं भी लेकर आते हैं।

बहुत कुछ कहते हैं आपके फेसबुक स्टेटस

आपकी फेसबुक पोस्ट आपके जीवन का आईना है। आप कितना भी बचाओ, आपके स्टेटस आपके व्यक्तित्व और जीवन की चुगली कर ही देते हैं। शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक अध्ययन में बताया कि आपके फेसबुक अपडेट्स आपके बारे में बहुत कुछ कहते हैं। इस शोध के तहत 555 युवाओं का ऑनलाइन सर्वे किया गया। इसमें वे शामिल थे जो फेसबुक के नियमित यूजर्स हैं। उनकी फेसबुक अपडेट्स का अध्ययन किया और उनके व्यक्तित्व को परिभाषित किया।

बहिर्मुखी व्यक्तित्व

जो लोग लगातार हर सामाजिक घटना या अजीबो-गरीब व्यक्तियों पर पोस्ट्स डालते रहते हैं वो मूलत- बर्हिमुखी लोग होते हैं।

ओपन इंडिविजुएल्स

ये ऐसे लोग हैं जो अपनी व्यक्तिगत सूचनाएं लोगों से बांटने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं। हां ऐसे लोग प्रारंभिक तौर पर अपने अपडेट्स में घटनाओं, शोध और राजनीतिक विचार पोस्ट करते हैं।

आत्ममुग्ध व्यक्तित्व

ये ऐसे लोग हैं जो खुद को बेहद प्यार करते हैं। ये अक्सर अपने स्टेटस में अपने डेली रूटीन, डाइट और एक्सरसाइज के बारे में जानकारी देते हैं। वे अक्सर ऐसी जगहों और घटनाओं के बारे में जानकारी देते हैं, जिनसे उनका व्यक्तिगत महत्व सिद्ध हो।

अल्प आत्मविश्वासी

यदि आप या आपका कोई दोस्त लगातार अपने रोमांटिक पार्टनर के बारे में स्टेटस अपडेट कर रहा है तो समझ लीजिए कि आत्मविश्वास की कमी है।

जिम्मेदार प्राणी

शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग अपने परिवार और अपने दोस्तों के बारे में ज्यादा पोस्ट करते हैं, वे मूलत- जिम्मेदार किस्म के लोग होते हैं। कुल मिलाकर इस शोध का निष्कर्ष ये रहा है कि फेसबुक पर जो लोग अपने रिश्तों से संबंधित जानकारी पोस्ट करते रहते हैं, वे मूलत- असुरक्षित मानसिकता के लोग हुआ करते हैं। वे ऐसा समझते हैं कि ऐसा करके वे अपने रिश्ते पर दावा कर रहे हैं। अब आप अपने दोस्तों की और खुद अपनी स्टेटस अपडेट्स से उनका और खुद अपने व्यक्तित्व को जान सकते हैं।

पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ ऐसे बढ़े करियर में आगे

कैंपस के चार साल का समय तपस्या से भरा होता है। इसे अगर आपने ठीक से यूटिलाइज किया तो आने वाले 40 साल या उससे आगे बेहतरीन जिंदगी जिएंगे। लेकिन ये चार साल गंवा दिए तो शायद जीवन भर मीडियोकर ही रहेंगे। परेशानियों से घिरे रहेंगे। जितने अच्छे ढंग से समय को यूटिलाइज करेंगे, जीवन में उतना ही बेहतर करेंगे।

स्वॉट एनालिसिस कर लें

असफलता मिले तो हताश न हो, इससे कुछ नहीं होता। हमेशा पॉजिटिव एटिट्यूड बनाए रखें और मन में यह भाव रहे कि आई कैन डू इट। सेल्फ असेसमेंट और स्वॉट (स्ट्रैंथ्स, वीकनेसेज, अपॉर्च्युनिटीज, थ्रेट्स) एनालिसिस हर किसी को करनी चाहिए।

सीमलेस एजुकेशन का दौर

आजकल सीमलेस एजुकेशन पर जोर दिया जा रहा है, जिससे स्टूडेंट का समग्र विकास हो सके। यूजीसी ने भी एक च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम अपनाने पर जोर दिया है। इसमें होता यह है कि जो स्टूडेंट अपने विषय की पढ़ाई के अलावा कोई और हॉबी या रुचि रखता है, उसे वही करने का मौका दिया जाता है। जैसे अगर कोई रेगुलर सब्जेक्ट्स के अलावा म्यूजिक सीखना या फिलॉसफी पढ़ना चाहता है तो उसे ऐसा करने की सुविधा दी जानी चाहिए।

डिजिटल के साथ

आजकल डिजिटल लर्निंग का जमाना है। ज्यादातर प्रोफेशनल स्टडीज में सभी क्लासेज में स्मार्ट बोर्ड हुआ करते हैं। बायोमेट्रिक अटेंडेंस होती है, जिसको पैरेंट्स भी ऑनलाइन एक्सेस कर सकते हैं। क्लास की टीचिंग का मॉडल ऑनलाइन होता है और इसे भी पैरेंट्स चेक कर सकते हैं कि उनके बच्चे का कहां तक, कितना प्रोग्रेस हुआ है। हर 10-12 बच्चों पर एक मेंटोर निर्धारित किया जाता है, जो प्राइवेट काउंसलिंग से लेकर एजुकेशन से जुड़ी काउंसलिंग और रिजल्ट एनालिसिस व अन्य गाइडेंस देता है, ताकि बच्चे का समग्र विकास हो सके।

रेग्यूलर और ऑनलाइन एमबीए में क्या अंतर है

यदि कोई कहे कि उसने एमबीए किया है तो आपको कैसा महसूस होगा? आप उससे प्रभावित होंगे। लेकिन यदि कोई यह कहे कि उसने ऑनलाइन एमबीए किया है तब? तब उसका प्रभाव आप पर से पूरी तरह से उतर चुका होगा। हालांकि इससे क्या फर्क पड़ना चाहिए कि किसी ने कैसे एमबीए किया है, जब तक कि उसकी डिग्री उसकी जॉब प्रोफाइल से मैच करती हो। केवल केंडिडेट ही यह बता सकता है कि वह अपनी डिग्री से संतुष्ट है या नहीं?

जिन लोगों ने खुद को रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के लिए किसी प्रतिष्ठित बी-स्कूल में एडमिशन लिया तो किसी और के लिए यह ईर्ष्या का विषय हो सकता है। लेकिन अब ये विचार पुराना पड़ चुका है। ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम भी उतना ही अच्छा है, जितना रेग्यूलर, शर्त यह है कि किसी प्रतिष्ठित बिजनेस इंस्टीट्यूट से किया जाए। इन दिनों कंपनियां भी यह मानने लगी है कि ऑनलाइन एमबीए से भी अच्छे मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स आ रहे हैं जो बिजनेस को नए आयाम देने में सक्षम हैं। जो लोग फुल टाइम एमबीए कर पाने की स्थिति में नहीं है, उनके लिए ऑनलाइन एमबीए अच्छा विकल्प है। दोनों ही प्रोग्राम जरूरत, प्राथमिकता और परिस्थिति के आधार पर चुने जा सकते हैं। यदि आपके पहले से ही काम कर रहे हैं और आपके पास अपने परिवार की भी जिम्मेदारी है कुल मिलाकर समय की कमी है फिर भी आप एमबीए करना चाहते हैं तो आप ऑनलाइन एमबीए कर सकते हैं। दूसरी तरफ यदि आपके पास समय भी है और उम्र भी कम ही है और एक करियर फील्ड से दूसरे करियर फील्ड में जाना चाहते हैं तो रेग्यूलर एमबीए करना एक अच्छा निर्णय होगा। इसलिए कौन-सा एमबीए करना चाहिए, यह तो आपकी सुविधा पर निर्भर करता है। यह बात सही है कि ज्यादातर लोग रेग्यूलर एमबीए करना चाहते हैं। बात परिस्थितियों पर आकर अटक जाती है। इन दिनों युवाओं के बीच ऑनलाइन एमबीए दिन-ब-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इससे पहले कि आप रुककर सोचें कि आपको ऑनलाइन एमबीए करना चाहिए या फिर रेग्यूलर, कुछ सवालों के जवाब आप अपने आप को दें।

ऑनलाइन एमबीए करने से पहले

- **करियर के लिए आपका लक्ष्य क्या है?**
  यदि आप अपने करियर में ऐसा जगह आकर फंस गए हो कि आगे ग्रोथ के अवसर खत्म हो गए हैं और आप न तो नौकरी छोड़ने की स्थिति में हैं और न ही उसके साथ कोई समझौता करना चाहते हैं, आपके सामने परिवार भी है, तो इस बात की जांच पड़ताल कर लें कि आपकी वर्तमान कंपनी किस तरह के एमबीए ग्रेजुएट्स को रिक्रूट कर रही है? इस आधार पर ही फैसला लें।
- **क्या यह आपकी जरूरत और मांग को पूरा करता है?**
  आपको यह जानने की जरूरत है कि ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम आपको उसी तरह की फेकल्टी, करिकुलम और अवसर उपलब्ध करवा रहा है जैसी कि रेग्यूलर एमबीए को। यदि ऐसा नहीं है तो आपको अपने निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए।
- **क्या यह आपके लिए सचमुच सुविधाजनक है?**
  कुछ ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम या तो राज्य से बाहर होते हैं या फिर देश से ही बाहर। आपके लिए यह जरूरी हो जाता है कि क्लासेस अटैंड करने के लिए आपको छुट्टी लेनी पड़ सकती है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

रेग्यूलर एमबीए करने से पहले

- **आपके करियर के लक्ष्य क्या है?**
  क्या आप बदलाव चाहते हैं या फिर किसी दूसरे क्षेत्र में जाकर अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं? इसके साथ ही यदि आपके साथ समय और उम्र भी है तो आप रेग्यूलर एमबीए कर सकते हैं।
- क्या आप अच्छे पर्सेन्टाइल से एमबीए इंट्रेंस एक्जाम क्रैक कर सकते हैं?
- वो कौन से विषय हैं, जिनमें आपने अच्छे नंबर हासिल किए और कौन से विषय ऐसे हैं जो अब भी आपको डराते हैं? स्कूल व ग्रेजुएशन स्तर दोनों पर...?
- आपकी रुचि का क्षेत्र कौन-सा है ताकि आप उससे अपनी एमबीए की स्ट्रीम चुन सकें।

फायदे ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के

घर में ही पढ़ाई
इसमें आप बिना अपनी नौकरी और जिम्मेदारी छोड़े, अपने ही घर में पढ़ाई करके वही डिग्री हासिल कर सकते हैं, जो दूसरे क्लासेस अटैंड करके प्राप्त करते हैं।

फ्लैक्सिबिलिटी
ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में आप अपने जीवन में बिना किसी बदलाव के अपने करियर को मनचाही दिशा में ले जा सकते हैं।

रिसोर्सेज
प्रतिष्ठित ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में भी करियर काउंसलिंग, मैंटोरशिप और नेटवर्किंग अपॉर्च्युनिटी जैसे उन्ही सब संसाधनों का प्रयोग कर सकते हैं जो रेग्यूलर कोर्सेस में किए जा सकते हैं।

अफोर्डेबिलिटी
हर समय में ऑनलाइन एमबीए कार्यक्रम किसी भी रेग्यूलर कार्यक्रम की तुलना में हमेशा ही अफोर्डेबल हुआ करता है।

फायदे रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के

करियर में बदलाव
क रेग्यूलर एमबीए आपके करियर में बदलाव के लिए बेहतर पृष्ठभूमि का निर्माण करता है। किसी खास स्ट्रीम में स्पेशलाइजेशन आपको कई दूसरी इंडस्ट्रीज में काम दिलवाने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है।

नेटवर्किंग
रेग्यूलर एमबीए के दौरान के एकेडमिक सेशन में आप जिस तरह की सोशल नेटवर्किंग करते हैं, वह लंबे समय में आपके करियर के लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

उद्यमशीलता
यदि आप अपना बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं तो आप जरूरी कौशल और व्यावहारिक ज्ञान रेग्यूलर एमबीए करते हुए पा सकते हैं। इससे आपको अपना व्यापार शुरू करने में कम दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

इस तरह बना सकते हैं सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में करियर

कोई सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद इसकी गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और उसकी स्टैबिलिटी को परखने का एक महत्वपूर्ण काम होता है। इस काम को सॉफ्टवेयर टेस्टर पूरा करता है। सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में बढ़ते मार्केट की वजह से यह एक उम्दा क्षेत्र के रूप में उभर रहा है और इसमें काफी स्कोप देखा जा रहा है।

योग्यता

कम्प्यूटर एजुकेशन देने वाले देश में प्रमुख संस्थान सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स मुहैया कराते हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल सॉफ्टवेयर टेस्टिंग क्वालिफिकेशन बोर्ड द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कोर्स उपलब्ध है, जो देश के साथ-साथ विदेश में नौकरी दिलाने में सहायक होता है। आमतौर पर सॉफ्टवेयर टेस्टिंग कोर्स में एडमिशन के लिए कई संस्थान बीएससी, बीसीए, एमएससी, बीई, बीटेक, एमई, एमटेक जैसी डिग्री की डिमांड करती है।

स्किल्स

सॉफ्टवेयर टेस्टर को टेक्नोलॉजी के साथ-साथ बिजनेस की भी अच्छी समझ होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही टेस्टर बेहतर और बारीकी से अपना काम कर सकता है। टेस्टर के लिए सभी आवश्यकताओं का ठीक तरह से आकलन करना जरूरी होता है। इसके बाद टेस्टिंग की कार्ययोजना तैयार करना, उनका क्रियान्वयन करना, दोष व खतरे को तलाशना, उनकी रिपोर्ट तैयार करना टेस्टर की ही जिम्मेवारी होती है।

प्रमुख संस्थान

- डाटाप्रो कंप्यूटर प्रा.लि, विशाखापत्तनम
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, कोयंबटूर
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- एसक्यूटीएल इंटीग्रेटेड सोल्यूशंस प्रा.लि, पुणे
- पीक्यूआर सॉफ्टवेयर
- त्यागराज कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै
- क्रेसटेक

इतना ही नहीं, एप्लिकेशन से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में आगाह करना भी टेस्टर का ही काम होता है।

ये हैं मौके

मैकिंजे ऐंड कंपनी द्वारा वर्ष 2025 तक की संभावनाओं पर जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा तेजी, टैलेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर की आपूर्ति के दम पर भारतीय आईटी इंडस्ट्री का निर्यात कारोबार 2025 तक 178 अरब डॉलर का हो जाएगा। घरेलू कारोबार की हिस्सेदारी 2025 तक 50 अरब डॉलर का हो जाएगा। भारत की कई आईटी सॉफ्टवेयर कम्पनियां नई भर्ती कर रही हैं। टीसीएस, विप्रो, सत्यम, इन्फोसिस, कॉग्निजंट आदि प्रमुख हैं, जहां एक बेहतर करियर की उम्मीद की जा सकती है।

दोयम दर्जे के निर्माण कार्य नहीं होंगे बर्दाश्तए जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर होगी कार्यदाई संस्था के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

सांसद निधि के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

- 31 नोडल अधिकारियों द्वारा सत्यापन रिपोर्ट अप्राप्त होने पर नाराजगी व्यक्तए जांच रिपोर्ट समय से देने के निर्देश
- अनुमति लिए बिना मुख्यालय छोड़ने पर अधिशासी अभियंता सिंचाई सपरार प्रखंड को कारण बताओं नोटिस
- 05 सदस्यीय समिति द्वारा टेक्निकल वेरिफिक्रेशन के बाद होंगे बिल्डिंगध्निर्माण कार्य हैडओवर
- निर्माण कार्य हेतु धनराशि की मांग करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किए जाने के निर्देश
- सांसद निधि की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में प्रगति लाने के साथ लगातार मॉनिटरिंग करने के दिए निर्देश
- मूल कर्तव्य व मूल दायित्वो का अधिकारी सही तरीके से करें निर्वहनए शीथिलता एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

झाँसी। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने विकास भवन सभागार में 50 लाख से अधिक लागत की सड़क परियोजनाओं एवं 50 लाख से अधिक के अन्य निर्माण कार्यों व माननीय सांसद निधि के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि गुणवत्ता विहीन दोयम दर्जे के निर्माण कार्यों को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगाए जांच में पकड़े जाने पर संबंधित कार्यदाई संस्था के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाही।बैठक में जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार ने 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाएं ;सड़कों को छोड़करद्ध एवं 50 लाख से अधिक लागत की 33 सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि संबंधित नोडल अधिकारी समय से निर्माण कार्यों का सत्यापन करना सुनिश्चित करें और रिपोर्ट प्रेषित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की निरीक्षण के दौरान यदि निर्माण कार्य में कोई समस्या है तो उसकी जानकारी भी अब लिखित की जाए। उन्होंने लगभग 31 नोडल अधिकारियों द्वारा सत्यापन रिपोर्ट प्रेषित न करने पर नाराजगी व्यक्त की और भविष्य में समयबद्व सत्यापन रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने बैठक में बुंदेलखंड विकास निधिए लोक निर्माण विभागए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग एवं जिला पंचायत द्वारा बनाई जा रही सड़कों की समीक्षा करते हुए संबंधित नोडल अधिकारियों से जांच के संदर्भ में जानकारी ली और निर्देश दिए की निर्माण कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण अवश्य किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यध्ब्लिडिंग हैंडओवर के लिए पुनः दोहराते हुए कहा कि विभाग सीधे हैंडओवर नहीं करेगाए समिति द्वारा टेक्निकल वेरिफिक्रेशन के बाद ही बिल्डिंग अथवा अन्य निर्माण कार्य हैंडओवर किया जाना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने बैठक में समीक्षा के दौरान बुंदेलखंड विकास निधि के कार्यों में वेहटा से सोनारा संपर्क मार्ग का नवनिर्माणए चंदौली संपर्क मार्ग का निर्माणए पारीछा रेलवे स्टेशन से जोहरी बुजुर्ग संपर्क मार्ग का नवनिर्माण एवं लोक निर्माण विभाग की सप्त द्वारा से पृथ्वीपुर संपर्क मार्ग का निर्माणए झांसी शहर में ग्वालियर रोड स्थित पाल कॉलोनी तिराहे से नहर की ओर संपर्क मार्ग निर्माण सहित जिला ग्राम विकास अभिकरण एवं जिला पंचायत की सड़कों की समीक्षा कीए उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कर अपनी निर्धारित समय अवधि में ही पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने नोडल अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ता की जांच निरीक्षण के दौरान अवश्य करें इसे कड़ाई से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में ? 50 लाख से अधिक लागत के अन्य निर्माण कार्य ;सड़कों को छोड़करद्ध104 परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार ने उपस्थित समस्त कार्यदाई संस्थाओं को निर्देश दिए कि किए जा रहे कार्य घोषित तिथि तक शत प्रतिशत पूर्ण कर लिऐं जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम क्षेत्र में नगर विकास विभाग की मल्टीलेवल कार पार्किंग एवं सीएनडीएस द्वारा राजकीय डिग्री कॉलेज कटेरा मऊरानीपुर के निर्माण कार्य तथा कार्य पूर्ण होने की जानकारी नोडल अधिकारी एवं संबंधित विभाग से प्राप्त की बताया गया कि मल्टीलेविल कार पार्किंग माह दिसंबर में पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने गरौठा.गुरसराय पुनर्गठन पेयजल परियोजना की समीक्षा की और समीक्षा की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। क्षेत्र में पेयजल की समस्या अधिक होने के कारण उक्त परियोजना को समय से पूर्ण किया जाना नितांत आवश्यक है।निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार ने समस्त कायदाई संस्थाओं को निर्देशित किया कि धनराशि उपलब्ध न होने पर तत्काल अवगत कराया जाए ताकि शासन स्तर से धनराशि की मांग करते हुए निर्माण कार्य को समय से पूरा किया जा सके। उन्होंने समस्त नोडल अधिकारियों को ताकीद करते हुए कहा कि कार्यों का सत्यापन समय से और गुणवत्ता पर किया जाना सुनिश्चित करें।बैठक में इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमदए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उत्कर्ष द्विवेदीए डीडीओ सुनील कुमारए डीपीआरओ जेआर गौतमए परियोजना निदेशक राजेश कुमारए अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी राहुल शर्मा सहित समस्त कार्यदाई संस्थाओं के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ग्रीन एनर्जी की ओर अग्रेषित- प्रो मुकेश पाण्डेप

सतत विकास पर आयोजित सम्मेलन में विशेषज्ञों ने सुझाय पर्यावरण संरक्षण के उपाय

झांसी। संपूर्ण विश्व आज असमंजस की स्थिति में है। विकास के लक्षण की प्राप्ति के साथ किस प्रकार पर्यावरण को भी संरक्षित किया जाए यह आज चुनौती बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार ग्रीन एनर्जी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं प्रयास किए हैं उसे भारत ग्रीन एनर्जी में विश्व का नेतृत्व कर सकता है। उक्त विचार बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे ने अर्थशास्त्र बैंकिंग एवं वित्त विभाग द्वारा सतत विकास में सामाजिक विज्ञान एवं मानवीय की भूमिका पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भारत सोलर एनर्जी विंड एनर्जी के साथ ही इलेक्ट्रिक व्हीकल पर युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। अगले 10 साल में लगभग सभी वहां बैटरी द्वारा संचालित हो जाएंगे। आज जगह-जगह सोलर पार्क बनाए जा रहे हैं। निश्चित ही कार्बन उत्सर्जन के मानकों पर भारत खरा उतरेगा। विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशंपायन ने कहा कि विकास को लेकर पश्चिम की अवधारणा अधिक से अधिक मात्रा में संसाधनों के उपभोग से है। जबकि भारतीय संस्कृति आवश्यकता अनुरूप उपभोग से है। गांधी जी ने भी कहा है कि पृथ्वी हमारी आवश्यकता जरूर को पूरा करने में सक्षम है परंतु हमारे लालच को नहीं। समय आ गया है कि विकास की परिभाषा एवं लक्षणों को पुनः परिभाषित किया जाए। आईएफ सर सर पर सम्मेलन की अध्यक्षा प्रोफेसर लूशीया साल्वाडोर ने लैटिन अमेरिका के अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी वसीम मोहम्मद ने भी अपने विचार रखें। स्वागत भाषण आयोजन सचिव डॉक्टर शंभू नाथ सिंह ने, वैलिडेटरी ऐड्रेस डॉ यशोधरा शर्मा ने एवं आभार कार्यक्रम संयोजक कब सिंह ने दिया। संचालन डॉक्टर गजल अहमद एवं डॉ ज्योति कुमारी मिश्रा ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ राधिका चौधरी एवं डॉक्टर शिल्पा मिश्रा ने दिया।सके पूर्व आज दो सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम सत्र में श्सतत वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत का व्यापक दृष्टिकोण विदेश नीति शासन और पर्यावरण प्रतिबद्धताएंश् विषय पर एवं द्वितीय सत्र श्वैश्विक प्रगति को शासक बनाना बेहतर कल के लिए 17 यूनो सतलाक्षों को अपनानाश् विषय पर आयोजित किया गया। अनेक शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने अपने शोध पर प्रस्तुत किये।इस अवसर पर प्रो सुनील काबिया, प्रो एस के कटियार, प्रो अवनीश कुमार, डॉ काव्या दुबे, डॉ अमरजीत कौर, डॉ अतुल गोयल, डॉ संदीप अग्रवाल डॉ रजत कंबोज, डॉ शिविका भटनागर, अंजलि, डॉ ज्योति मिश्रा, डॉ शिखा सोनी, डॉ अमिताभ गौतम, डॉ विनोद कुमार, डॉ संतोष पांडे, डॉक्रषि सक्सेना, डॉ राहुल शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

चिन्मय पादुका पूजा का आयोजन।

झांसी। चिन्मय मिशन आश्रम अंसल पाम कोर्ट में चिन्मय पादुका पूजा का आयोजन किया गया। जिसकी प्रायोजक श्री मती शीला गुप्ता थी। उन्होंने ब्रह्मचारी राघवेन्द्र चैतन्य के सानिध्य में गुरु आवाहन कर वैदिक विधि से भाव पूर्वक होकर पूजा की। पूज्य गुरुदेव की पादुका का अभिषेक कर उनके पावन 108 नामों द्वारा पुष्प अर्चना की गई। उपस्थित साधकों ने संस्कृत नामों का शुद्धता से उच्चारण किया। अर्चना उपरांत बाल विहार की नित्या ने मधुर भजन गायन किया। इस पूजा में श्री मती शीला गुप्ताए शोभा विश्वकर्माए आर एस विश्वकर्माए अर्चित ए युवा केंद्र के गौरव और यश आदि उपस्थित थे। ब्रह्मचारी राघवेन्द्र चैतन्य ने बताया कि जिस प्रकार किसी यात्रा में रोड मैप मिलने पर हम कम समय में अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकते है।उसी प्रकार जिसके जीवन में गुरु होते हैंएवो भी अपने जीवन लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं। गुरुदेव की आरती और क्षमा प्रार्थना के साथ समागम का समापन हुआ।

देश की नामचीन बिरला सीमेंट निर्माण कंपनी ने धूमधाम से मनाया दीपावली मिलन समारोह

झांसी ।देश की नामचीन सीमेंट निर्माण कंपनी एमपी बिरला ग्रुप के द्वारा महानगर की सीमा से सटे एक होटल में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गयाए जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही कंपनी के डीलरों को बोनस देकर सम्मानित किया गयाइस दौरान बिरला सीमेंट निर्माण कंपनी के रीजनल हेड अमिताभ त्रिपाठी ने सभी व्यापारियों का अपने संबोधन से उत्साह वर्धन किया और कंपनी के द्वारा उन्हें दिए जा रहे सरप्राइज बोनस का भी इस दौरान ऐलान किया गया। ब्रांच हेड निशांत भूषण पांडे ने सभी डीलरों को संबोधित किया और कंपनी के बारे में और उसकी विशेषताओं के बारे में संपूर्ण रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम में एरिया मैनेजर अनुराग त्रिवेदीए टेक्निकल ब्रांच मैनेजर पवन रावतए अवनीश त्रिपाठी एअमित राजावत एसेल्स प्रमोटर ओम आनंदानी एनवीन आनंदानीए पवन सुहानेए मधुर सुहानेए अजय साहू एमहेश सिंह तोमरए सुधांशु अग्रवाल सहित लगभग 150 व्यापारी गण मौजूद रहे स

नगर पालिका अध्यक्ष वैभव अरजरिया ने विद्युत विभाग पर जताई नाराजगी

बार बार बिजली का तार टूटने की वजह से विद्युत आपूर्ति बाधित होने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा गुरुवार की शाम महोबा कुलपहाड़ के बीच हाई टेंशन लाइन का तार टूटने से सारी रात आपूर्ति बंद रही जिस कारण कुलपहाड़ सहित आधा सैकड़ा से अधिक गांव अंधेरे में डूबे रहेविद्युत विभाग द्वारा कुलपहाड़ पावर हाउस से संचालित तीनों सब स्टेशन कुलपहाड़ जैतपुर व अजनर में रोस्टिंग प्रणाली शुरू की थी ताकि ओवरलोड के कारण हाई टेंशन लाइन के तार न टूट पाए और विद्युत की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे लेकिन जर्जर तार होने के कारण विभाग के अधिकारियों का यह टोटका भी काम नहीं आया गुरुवार शाम पांच बजे कुलपहाड़ महोबा के बीच में हाई टेंशन लाइन का तार पुनः टूट गया, जिस कारण कुलपहाड़ 33 केवी पावर हाउस से तीनों सब स्टेशन की लाइट गुल हो गई और आधा सैकड़ा से अधिक गांव अंधेरे में डूबे रहे वहीं ट्यूबवेल संचालक किसान विद्युत आपूर्ति के इंतजार में रात भर खेतों में पड़े रहे, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। कुलपहाड़ नगर पालिका अध्यक्ष वैभव अरजरिया का कहना है कि एक तार जोड़ने में यदि विद्युत विभाग के कर्मचारियों को 12 घंटे लगते हैं, तो आज की तकनीकी के जमाने में यह बेहद निराशाजनक है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है, कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों के साथ शक्ति की जाए। वहीं अवर अभियंता जयवीर सिंह का कहना है कि रात में ही सारे विद्युत कर्मियों को बुलाकर तार दुरुस्त करने की कोशिश की गई, लेकिन लाइन को दुरुस्त करने में काफी समय लग गया है।

वोटर चेतना अभियान के तहत नगर क़े सभी बूथों चलाया गया संपर्क अभियान

वोटर चेतना अभियान के तहत नगर मंडल शक्ति केन्द्रों पर विभिन्न बूथ सहित सम्पर्क अभियान चलाया गया जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष वैभव अरजरिया ने 18 वर्ष पूर्ण कर चुके लोगों से अपना नाम शामिल करने एवं संशोधन कराने के लिए आवेदन करने की अपील की है भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2024 के अंतर्गत मतदाता सूची का विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं जिसको लेकर अलग अलग तिथियां निर्धारित की गई है इसी की पहल करते हुए कुलपहाड़ मंडल के शक्ति केंद्रों पर बूथ सहित अध्यक्ष वैभव अरजरिया मंडल अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह उपाध्यक्ष दुर्गेश सोनी शक्ति केंद्र संयोजक उमेश सेन, सभासद सुरेश साहू, प्रवीण सुल्झेरे, बूथ अध्यक्ष आजाद सोनी, रमाकांत शर्मा, गोविंद नगर बूथ अध्यक्ष राहुल उपाध्याय, व्यापार मंडल उपाध्यक्ष राहुल साहू एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर संपर्क किया। नगर पंचायत अध्यक्ष ने 18 वर्ष पूर्ण कर चुके लोगों से मतदाता सूची में नाम शामिल करने, नाम संशोधन करने तथा विलोपित वोटरों को हटवाने की अपील की है।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय शाहपहाडी का किया निरीक्षण, 282 में से 241 बच्चे मिले उपस्थित

महोबा। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय विकास खंड कबरई के प्राथमिक विद्यालय शाहपहाडी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों से कुछ सवाल पूछे जिलाधिकारी के सवालों का बच्चों ने संतोष जनक जवाब दिया। इसके बाद जिलाधिकारी लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे बच्चों के बारे में भी जानकारी ली। जिलाधिकारी को निरीक्षण के दौरान कुल 282 बच्चों में से 241 बच्चों उपस्थित मिले, जिस पर उन्होंने संतोष जताया साथ ही बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अध्यापकों को बच्चों के साथ और अधिक परिश्रम करके उनके उज्जवल भविष्य बनाने की बात कही। उन्होंने विद्यालय निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में साफसफाई बेहतर पाए जाने पर संतोष जताया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर सविता देवी सहित विद्यालय के अध्यापक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला गजेटियर बनने के संबंध में डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई महत्वपूर्ण बैठक

महोबा। शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा नामित सदस्य एवं जिले के अधिकारियों की जिला गजेटियर के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिला गजेटियर बनने हेतु कुल 11 विषयों पर जिले के विभिन्न विभागों द्वारा सूचना उपलब्ध कराई जाएगी, जिस आधार पर अर्थ एवं संख्या अधिकारी कार्यालय द्वारा जिला गजेटियर के बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गजेटियर के बनने में पुरातत्व विभाग को भी सम्मिलित करते हुए लोक कला एवं संस्कृति, लोक एवं समाज की एक उप समिति भी अलग से बना ली जाए एवं प्रत्येक विभाग अपने विभाग के इतिहास के बारे में गजेटियर में अंकित कराये। बैठक में पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी चित्रसेन सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर.के. गौतम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम प्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आसाराम, प्राचार्य वीर भूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुशील बाबू, अपर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी मुकेश कुमार, जिला विकास अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी एवम कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ0 संदीप सरावगी ने दिव्यांग मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

दिव्यांगजनों के लिए हर संभव मदद के लिए तैयार - डॉ0 संदीप

झाँसी। बुंदेलखंड दिव्यांग कल्याण समिति एवं लायन व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट लीग का तीन दिवसीय आयोजन झांसी के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में किया जा रहा है। जहां रानी किला स्थित रानी लक्ष्मीबाई पार्क में स्व. पं0 विश्वनाथ शर्मा की स्मृति में दिव्यांग मैराथन के मुख्य अतिथि

झांसी के प्रतिष्ठित समाजसेवी संघर्ष सेवा समिति अध्यक्ष डॉ0 संदीप सरावगी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। सर्वप्रथम बुंदेलखंड दिव्यांग कल्याण समिति एवं लाइन व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने डॉ0 संदीप का माल्यार्पण कर स्वागत किया। स्वागत पश्चात डॉ0 संदीप सरावगी ने दिव्यांग मैराथन रैली में प्रतिभाग करने वाले दिव्यांगजनों को माला पहनाकर सम्मानित किया। इसके पश्चात डॉ0 संदीप ने दिव्यांग मैराथन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मैराथन रैली लक्ष्मी पार्क से प्रारंभ होकर जीवनशाह बी0के0डी चौराहे होते हुए मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम पर समाप्त हुई। जहां दिव्यांग मैराथन रैली में विजेताओं को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर डॉक्टर संदीप ने सम्मानित किया। इसके पश्चात बुंदेलखंड दिव्यांग कल्याण समिति एवं लायन व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट लीग का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर संदीप सरावगी ने कहा कि दिव्यांगों का प्रत्येक क्षेत्रों में योगदान रहा है, ईश्वर की इस बनाई हुई इस श्रृष्टि में व्यक्तियों में कुछ न कुछ कमी होती है, लेकिन इन कमियों को ताकत के रूप में परिवर्तित करने कार्य दिव्यांगजानो ने किया है, जिस प्रकार से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हें दिव्यांग नाम से संबोधित कर सम्मानित करने का कार्य किया एवं दिव्यांग सशक्तिकरण के लिए भारत के प्रत्येक राज्यों में दिव्यांगजनों के लिए सरकार की ओर से कई योजनाये चलाई जा रही है। आज का दिव्यांग अब कमजोर नहीं अब सशक्त एवं आत्मनिर्भर है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत का लोहा मनवाया है, इस अवसर पर एम0 एल0सी(विधायक) बाबूलाल तिवारी, रेलवे कल्याण समिति अध्यक्ष प्रदीप तिवारी, बुंदेलखंड दिव्यांग कल्याण समिति के केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उमर, मध्य प्रदेश टीम के कप्तान कबीर सिंह, दिनेश यादव, हरीश कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा एवं संघर्ष सेवा समिति से बसंत गुप्ता, संदीप नामदेव, राजू सेन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शिवतांडव पार्क में निकाला अजगर - मचा हड़कंप

महोबा। जिलाधिकारी कार्यालय के ठीक पीछे स्थित शिवतांडव पार्क में आज सुबह करीब आठ फिट लंबे अजगर के निकल आने से वहां घूमने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। पूरे पार्क में घंटे भर अफरा-तफरी का माहौल रहा। कुछ जागरूक नागरिकों ने अजगर को पकड़ने के लिए वन विभाग के अफसरों को फोन लगाया। 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। बाद में पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से अजगर को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।मुख्यालय के खूबसूरत पार्क में अजगर को सबसे पहले पार्क का चक्कर लगा रहे अरूण गुप्ता ने देखा। अजगर सार्वजनिक शौचालय के पास पार्क में पले खरगोशों को अपना निवाला बना रहा था। लोगों के देखते-देखते अजगर दो खरगोश पकड़ कर निगल गया। पार्क में अजगर की खबर आग की तरह फैल गई और महिलाएं व बच्चे पार्क खाली कर चले गये लेकिन पार्क के मुख्य द्वार से लगे सार्वजनिक शौचालय के बगल में जहां अजगर था, वहां देखने वालों व मोबाइल कैमरे से वीडियो बनाने वालों की भीड़ लग गयी। घूमने वाले कुछ लोगों ने गोरखगिरि पर्वत के ऊपर मौजूद बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर को फोन पर पार्क में अजगर होने की सूचना दी।

भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फेल हो चुकी है नरेश उत्तम पटेल

झांसी समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सर्किट हाउस में पत्रकार के दौरान भाजपा सरकार पर जमकर्ती के प्रहार किये इस दौरान उन्होंने वर्तमान देश व प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है ए स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ध्वस्त है ए भाजपा सरकार द्वारा झूठे आंकड़े पेश किया जा रहे हैं एउत्तर प्रदेश अब समस्या प्रदेश बन गया है द्य स्वामीनाथन की रिपोर्ट अभी तक लागू नहीं की जा रही है किसानों को लागत मूल्य नहीं मिल पा रहा हैए भाजपा सरकार ने बिचौलियों को छोड़ रखा हैए प्याज का मूल ?80 किलो के पार हो गया ए व्यापार पूरी तरह चौपट है उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को 10 वर्ष पूर्ण होने को हैए व प्रदेश में लगभग 7 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं वह अपना वादा भूल रही हैए हर वर्ष 2 हजार करोड़ रोजगार देने की बात करने वालों ने अब तक 2 करोड लोगों को नौकरियां नहीं दी ए पढ़े.लिखे युवा बेरोजगार घूम रहे हैं युवाओं के साथ छलावा करने का कार्य किया गयाए पूरे प्रदेश में झूठे आंकड़े दिखाए जा रहे हैं ए जनता सब समझ रही है इसलिए अब जनता भाजपा सरकार को घेरने का कार्य कर रही है उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ध्वस्त है पूरे प्रदेश में डेंगू से मरने वालों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है जितनी कोरोना काल में भी नहीं थी उन्होंने हर मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा। इस दौरान जिला अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह यादवए पूर्व विधायक सतीश जतरियाए महानगर अध्यक्ष तनवीर आलमए पूर्व मंत्री अजय सूदए अरविंद वशिष्ठए आरिफ खान आदि मौजूद रहेस

सांसद खेल स्पर्धा 2023-2024 का हुआ शुभारंभ

गाँवो में खेल की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष होता है सांसद खेल स्पर्धा का शुभारंभ

झांसी हर वर्ष की भांति खेलों के प्रोत्साहन हेतु झांसी ललितपुर के सांसद अनुराग शर्मा द्वारा सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक ब्लाक किया जाता रहा है इसी क्रम में ललितपुर जनपद के विकासखंड महरौनी सी वी गुप्ता इंटर कॉलेज.में सांसद खेल स्पर्धा का शुभारंभ हुआ द्य सांसद खेल स्पर्धा के प्रथम दिन 23 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, सांसद खेल स्पर्धा में कबड्डी, खो खो, वालीबॉल, दौड़, कुंद आदि खेल आयोजित की किए गये।सांसद अनुराग शर्मा जी का मुख्य उद्देश सांसद खेल स्पर्धा के माध्यम से युवक एवं युवतियों में सर्वांगीण विकास एवं उनके अन्दर छुपी प्रतिभाओ को निखारना हैं जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देश का राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर सकें तथा एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, कुश्ती, फुटबाल, वालीबाल आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से गाँवो में खेल का कल्चर बनाना हैं इस अवसर पर सांसद खेल स्पर्धा संयोजक राकेश भदोरिया जी ,देवेश तिवारी जी, दिनेश गोस्वामी, डा. एस. पी. पाठक, श्री अरविन्द कौशिक, सन्तोष रावत, धर्मेन्द पाठक ,देवेन्द्र बुन्देला एड., जैन, सचिन खटीक, जितेन्द्र सैन, निशाल सिंह राजेन्द्र कुमार, प्रवीन कुमार, राजेश , सीता सिंह, रामप्रसाद कुशवाहा , रश्मि जैन, सुरेन्द्र वर्मा, महेन्द्र चौधरी, पंकज ताम्रकट श्विशाल खटीक ,सुनील कुमार परिहार ,के साथ विभिन्न स्कूलो के प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दैनिक शुभ भास्कर

मंगल सिंह सेंगर

प्रधान संपादक

झांसी

मोबाइल नंबर 9795775760

स्वामी ,मुद्रक, प्रकाशक,सुनील कुमार मिश्रा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स उरई,जालौन से मुद्रित एवं सिविल लाइन, झाँसी से प्रकाशित। **प्रधान संपादक: मंगल सिंह सेंगर।** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झांसी रहेगा।)

रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 :- फ़ोन 0510-260215 फैक्स 05102450333 मो. 9795775760